RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | बुधवार, 25 फरवरी 2026 | वर्ष: 03, अंक: 349 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

केरल का नाम अब केरलम, मोदी कैबिनेट की मिली मंजूरी

कैबिनेट ने मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में तीन रेल प्रोजेक्ट समेत कुल 8 फैसले लिए

नई दिल्ली/एजेंसी

नई दिल्ली: पीएम नरेंद्र मोदी के नए ऑफिस सेवा तीर्थ में मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक हुई। इसमें कुल 12,236 करोड़ के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। कैबिनेट ने मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में तीन रेल प्रोजेक्ट समेत कुल 8 फैसले लिए हैं। बैठक में पावर सेक्टर में सुधारों पर पॉलिसी से जुड़े फैसले हुए और केरल सरकार के राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। केरल में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। कैबिनेट ने तीन नए रेल प्रोजेक्ट के तहत गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन के डबलिंग, गम्हरिया-चांडिल और पुनारख-किऊल के बीच तीसरी-चौथी रेल लाइन को मंजूरी दी है। साथ ही श्रीनगर में एक नया एयरपोर्ट टर्मिनल बनेगा और अहमदाबाद मेट्रो के फेज 2इ का एक्सटेंशन होगा।

प्रस्ताव केरल विधानसभा को भेजा जाएगा

कैबिनेट से मंजूरी के बाद अब राष्ट्रपति केरल (नाम में बदलाव) बिल, 2026 को संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत केरल विधानसभा की राय के लिए भेजेंगे। विधानसभा की राय मिलने के बाद, सरकार संसद में बिल पेश करेगी। संसद से पास होने पर राज्य का नाम आधिकारिक रूप से केरलम हो जाएगा। केरल विधानसभा से 24 जून 2024 को प्रस्ताव पास हुआ था। इस प्रस्ताव के मुताबिक केरल का असल में मलयाली भाषा में नाम केरलम है। हिंदी और दूसरी भाषाओं में इसे केरल कहा जाता है। नाम बदलने का उद्देश्य केरल राज्य की पहचान, भाषा, संस्कृति और विकास को बढ़ावा देना है।

पहले 2 राज्यों का नाम बदला था

उत्तरांचल बना उत्तराखंड: 2007 में केंद्र सरकार ने उत्तरांचल का नाम उत्तराखंड करने के लिए एक बिल संसद में पारित किया।

पीएमओ नए ऑफिस में शिफ्ट

कैबिनेट की पिछली बैठक 13 फरवरी को पीएमओ के साउथ ब्लॉक वाले ऑफिस में हुई थी। इसके बाद पीएमओ को नए ऑफिस में शिफ्ट कर दिया गया था। प्रधानमंत्री का ऑफिस 1947 से साउथ ब्लॉक में रहा। ये इमारत करीब 78 सालों से देश की सत्ता का केंद्र रही है। सेवा तीर्थ कॉम्प्लेक्स में कुल 3 इमारतें हैं- सेवा तीर्थ-1, सेवा तीर्थ-2 और सेवा तीर्थ-3। सेवा तीर्थ-1 में है। सेवा तीर्थ-2 में कैबिनेट सचिवालय और सेवा तीर्थ-3 में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का ऑफिस है। ये सभी ऑफिस पहले अलग-अलग जगहों पर थे।

कैबिनेट ने कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने मंगलवार को (सीसीईए) विपणन सीजन 2026-27 के लिए कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नए सेवा तीर्थ में आयोजित केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सीसीईए ने विपणन सीजन 2026-27 के लिए कच्चे जूट (टीडी-3 ग्रेड) का एमएसपी 5,925 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि विपणन सीजन 2026-27 के लिए कच्चे जूट का एमएसपी पिछले विपणन सीजन 2025-26 के मुकाबले 275 रुपये प्रति क्विंटल ज्यादा है।

केंद्र ने श्रीनगर एयरपोर्ट पर नया टर्मिनल बनाने की मंजूरी दी

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सिविल एन्क्लेव के विस्तार को मंजूरी दी है। इस परियोजना पर लगभग 1,677 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इसके पूरा होने पर हवाई अड्डे की क्षमता में वृद्धि होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नए सेवा तीर्थ में मंगलवार को आयोजित मंत्रिमंडल की प्रथम बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी।

गफ्ट सिटी से शाहपुर तक अहमदाबाद मेट्रो विस्तार को मंजूरी

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को गुजरात मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीएमआरसी) के मौजूदा उत्तरझदक्षिण कॉरिडोर को गिफ्ट सिटी से शाहपुर तक 3.33 किलोमीटर विस्तारित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 1,067.35 करोड़ रुपये है और इसे लगभग चार वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इससे जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि यह पूरा खंड एलिवेटेड (ऊपर से गुजरने वाला) होगा तथा इसमें तीन नए एलिवेटेड स्टेशन बनाए जाएंगे। यह विस्तार अहमदाबाद शहर और गिफ्ट सिटी क्षेत्र के बीच सार्वजनिक परिवहन संपर्क को और मजबूत करेगा। प्रस्तावित रूट के आसपास स्थित बहुराष्ट्रीय कंपनियों, शैक्षणिक संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और आवासीय क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलेगा।

प्रतिदिन लगभग 23,702 यात्रियों के इस कॉरिडोर के उपयोग का अनुमान

परियोजना के क्रियान्वयन से वर्ष 2029 तक प्रतिदिन लगभग 23,702 यात्रियों के इस कॉरिडोर के उपयोग का अनुमान है, जो वर्ष 2041 तक बढ़कर लगभग 58,059 प्रतिदिन हो सकता है। इससे अहमदाबाद और गिफ्ट क्षेत्र के बीच व्यवसाय, रोजगार तथा शिक्षा से जुड़े आवागमन की आवश्यकता को सुगम और तेज बनाया जा सकेगा। विस्तार से नेटवर्क एकीकरण बेहतर होगा और उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर की समग्र उपयोगिता बढ़ेगी। इससे निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी, यातायात दबाव घटेगा और पर्यावरणीय लाभ भी प्राप्त होंगे।

परियोजना के निर्माण चरण में लगभग 1,000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है, जबकि संचालन अनुरक्षण चरण में लगभग 250 लोगों को स्थायी रोजगार मिलेगा। इसके अतिरिक्त, निर्माण, आपूर्ति, सेवाओं तथा सहायक गतिविधियों के माध्यम से अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी बड़ी संख्या में उत्पन्न होंगे।

एआई समुचित एकीकरण पर्यटन अनुभव को अधिक सुगम बनाएगा: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली/एजेंसी

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों का समुचित एकीकरण पर्यटन अनुभव को अधिक सुगम, स्मार्ट और आकर्षक बना सकता है। उपराष्ट्रपति मंगलवार को यहां आयोजित पर्यटन नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस सम्मेलन का आयोजन यूएस-इंडिया पार्टनरशिप फोरम ने सांकला फाउंडेशन के सहयोग से किया गया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र तेजी से डिजिटल परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और ऐसे समय में एआई, डेटा एनालिटिक्स, वर्चुअल रियलिटी तथा स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। इन तकनीकों के माध्यम से पर्यटकों को व्यक्तिगत सेवाएं, बेहतर मार्गदर्शन, सुरक्षित यात्रा और समृद्ध अनुभव प्रदान किए जा सकते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में घोषित टूरिज्म विजन 2029 के तहत प्रत्येक राज्य में कम-से-कम एक विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

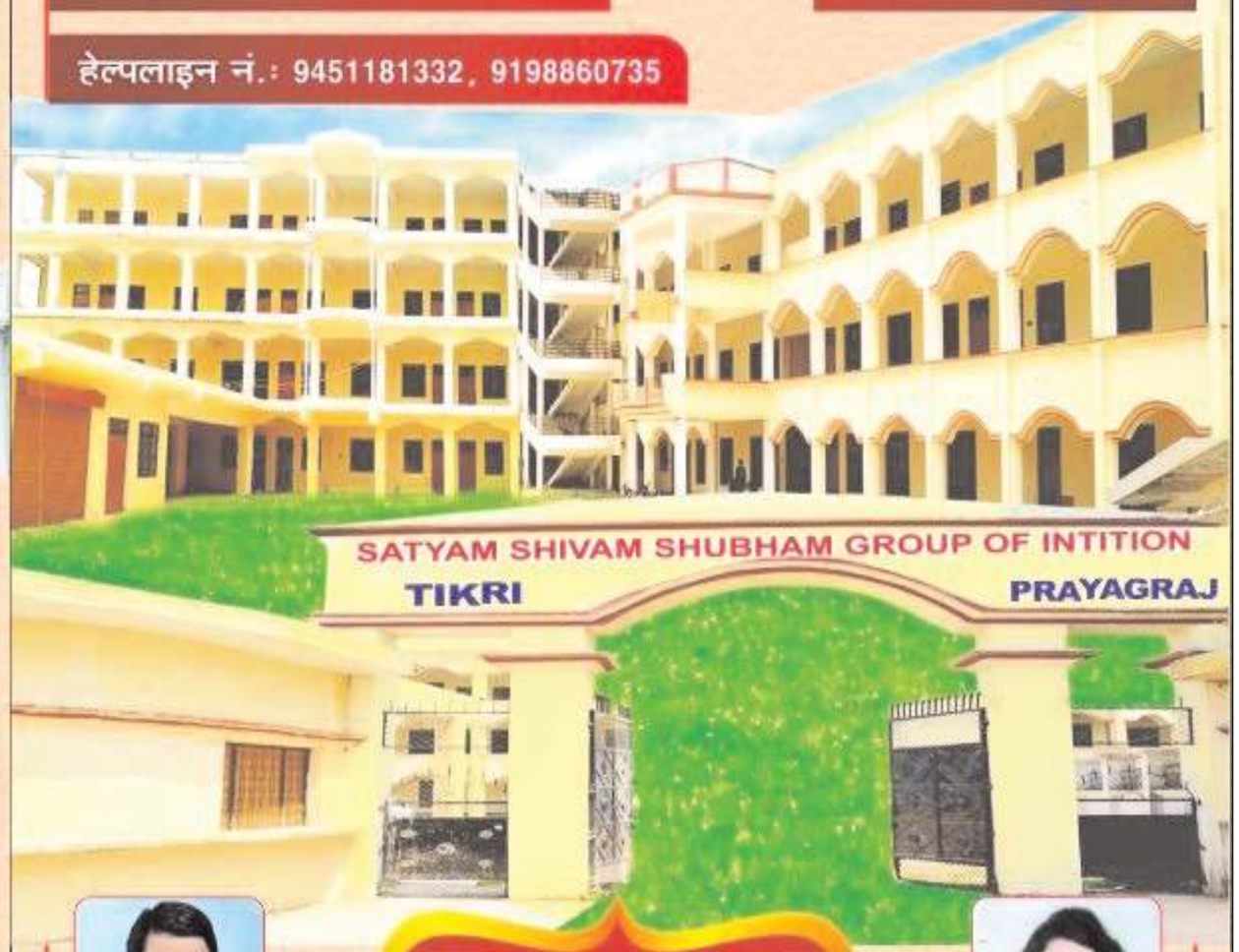

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

दूसरों को बेवजह परेशान करने के लिए दाखिल जनहित याचिका

आबादी की भूमि पर बने घरों को बताया था अतिक्रमण, बेदखल करने की थी मांग

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने थाना दन्नाहार, जिला मैनपुरी की गांव सभा जिंदपुर स्थित मिनजुमला (कई लोगों की साझी जमीन) प्लाट संख्या २६६६ एरिया २०.१४५ हेक्टेयर से अतिक्रमण हटाने व अवैध निर्माण रोकने की मांग में दाखिल जनहित याचिका खारिज कर दी है।कोर्ट ने कहा साझी जमीन में १८ खातेदार हैं। राजस्व संहिता की धारा ३० जमीन के बंटवारे का उपबंध करती है। ऐसा न कर अन्य खातेदारो की बेदखली के लिए जनहित याचिका दायर करना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। याची के पिता के खिलाफ भी इसी जमीन को लेकर धारा ६७ में कार्यवाही चल रही है। और दूसरों के खिलाफ जनहित याचिका दायर की है। जिसकी सुनवाई नहीं की जा सकती। कोर्ट ने विपक्षी अजय कुमार उर्फ मिंटू के घर को कुर्क करने के अंतरिम आदेश को विखंडित करते हुए घर वापस करने का निर्देश दिया है।यह आदेश न्यायमूर्ति चंद्र कुमार राय ने शिवम चैहान की जनहित याचिका पर दिया है। याचिका का अधिवक्ता ने विरोध किया और कहा कि याचिका केवल प्राइवेट विपक्षियों को अनावश्यक परेशान करने के लिए दाखिल की गई है। जबकि उनका निर्माण अपने नाम दर्ज जमीन के हिस्से पर है। जिसे अनधिकृत बताया गया था।राज्य सरकार ने भी हलफनामा दाखिल कर कहा कि प्लाट संख्या २६६६ एम संयुक्त जमीन है। जिसके १८ खाते हैं।

याची के पिता के खिलाफ केस दर्ज है। विपक्षी छह अजय कुमार का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज है। वह कब्जे में है। शेष विपक्षी गण ७, १०, ११, १२ का आबादी की जमीन पर घर है। जिसको कुर्क नहीं किया जा सकता। जनहित याचिका कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है।मालूम हो कि, जनहित याचिका दायर कर विपक्षियों को विवादित प्लाट से बेदखल करने की मांग की गई। कहा यह जमीन पूर्वी पाकिस्तान से भागकर आये लोगों के लिए सुरक्षित है। जिस पर विपक्षियों ने अतिक्रमण कर लिया है और निर्माण कर रहे हैं। कोर्ट ने यथास्थिति कायम रखने और निर्माण कुर्क करने का आदेश देते हुए सरकार से जानकारी मांगी।बताया कि जमीन का हिस्सा अजय कुमार की मां के नाम था, उनकी मौत के बाद अजय कुमार के नाम आया है। पूर्व निर्मित ढांचे पर अपना मकान बनाया है। विवादित प्लाट में १८ खातेदार हैं।कोर्ट ने निषेधाज्ञा के विपरीत निर्माण होने देने पर नाराजगी जताई। जिलाधिकारी मैनपुरी को कारण बताओ नोटिस दी कि अवमानना कार्यवाही क्यों न की जाय।

इसके बाद सरकार की तरफ से विस्तृत जवाबी हलफनामा दायर किया गया और स्थिति का खुलासा किया गया। आपत्ति की गई कि जनहित याचिका व्यक्तिगत हित में है पोषणीय नहीं है। मकान रिहायशी जमीन पर है कुर्क नहीं किया जाना चाहिए। जिस पर कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

पास्को एक्ट का वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर खागा पुलिस वांछित वारंटी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर पास्को एक्ट के एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थाना प्रभारी खागा ने बताया कि क्षेत्र में वांछित वारंटी की तलाश में चेकिंग किया जा रहा था इसी बीच मुखबिर की सूचना पर पास्को एक्ट का वांछित अभियुक्त रितिक उर्फ जय कुमार पुत्र दयाराम उम्र करीब 21 वर्ष नि०ग्राम बम्हरौली थाना धाता जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

महिलाओं को 112 व 1090 के बारे में किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के निर्देशन में जनपद फतेहपुर के विभिन्न थानों द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत महिलाओं/ बालिकाओं को साइबर अपराध, महिला सशक्तिकरण, नारी सुरक्षा, स्वावलंबन ,दहेज मृत्यु एवं अपहरण जैसी गंभीर घटनाओं को कम करने व अधिकारों के सम्बन्ध में शक्ति दीदियों, ऑगनवाड़ी कार्यकत्रियों और आशा बहुओं से समन्वय स्थापित कर गांव व स्कूलों में *बहू-बेटी सम्मेलन* का आयोजन कर महिलाओं, किशोरियों एवं परिवारों को कानूनी अधिकारों, मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा सरकारी योजनाओं व विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गयी । साथ ही स्कूलों एवं कॉलेजों में विशेष अभियान चलाकर युवाओं को अपराध के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया । महिलाओं एवं बेटियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता से ही इन सामाजिक अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकता है। इस आयोजन से महिला सशक्तिकरण को मिल रही नई गति ।

कौशांबी पुलिस के प्रयास से आठ परिवार साथ रहने के लिए हुए राजी

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार के निर्देशन में परिवार परामर्श केंद्र टीम द्वारा 8 फाइलों की काउंसलिंग की गई, जिसमें काउंसलिंग के दौरान एक फाइल में पति-पत्नी व उनके परिजनों की सहमति दोनों पक्षों का समझौता कराया गया तथा दोनों पक्ष (पति-पत्नी) को उनके जीवन के पारिवारिक कर्तव्यों को बताते हुए समझाया गया। दोनों पक्षों (पति-पत्नी) द्वारा बताया गया कि अब हम दोनों के बीच किसी प्रकार का कोई मनमुटाव नहीं रह गया है। अब हम आपसी सहमति से सुलह समझौता करना चाहते हैं । परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दोनों पक्षो (पति-पत्नी) का सुलह समझौता कराया गया । दोनों पक्षों द्वारा बताया गया कि अब हम दोनो पक्ष एक दूसरे के साथ प्रेम पूर्वक अपना जीवन यापन करेंगे । परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दोनों पक्षो को सलाह दिया गया कि अपने से बड़ों का सम्मान करते हुए अपने जीवन की नई शुरूआत करें।

जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को टीम भेजकर पंचायत भवन में हुए अवैध कब्जे को तत्काल हटवाने के दिए निर्देश

डीएम ने ग्राम-टिकरी नागी का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज विकास खण्ड सरसवां के ग्राम-टिकरी नागी का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सचिव, ग्राम पंचायत ने अवगत कराया कि ग्राम में सड़क निर्माण कार्य सांसद निधि से कराया जा रहा है, जिसमें कुछ कार्य शेष है। इस पर जिलाधिकारी ने परियोजना निदेशक से दूरभाष पर वार्ता कर शेष सड़क निर्माण कार्य शीघ्र प्रारम्भ कराकर गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन में पशु बंधे पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त

की। उन्होंने उप जिलाधिकारी मंझनपुर से दूरभाष पर वार्ता कर टीम भेजकर पंचायत भवन में हुए अवैध कब्जे को तत्काल हटवाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने ग्राम में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक न पाए जाने पर खण्ड विकास अधिकारी प्रदीप कुमार मौर्य को निर्देशित किया कि सफाई कर्मियों की टीम लगाकर ग्राम की समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित कराई जाए तथा ग्राम में स्थित सभी हैंडपम्पों की क्रियाशीलता की जांच करा लिया जाए।

इसके साथ ही उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को ग्राम में जल- जमाव की समस्या के समाधान के लिए नाली निर्माण सहित सभी आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने उपस्थित ग्रामवासियों की समस्याएं सुनीं एवं खण्ड विकास अधिकारी को शीघ्र समस्याओं को निस्तारित करने के निर्देश दिए।

त्योहार को लेकर मंझनपुर पुलिस ने आरएफ फोर्स के साथ किया फ्लैग मार्च

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। आगामी पर्व होली व रमजान माह के दृष्टिगत जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु थाना मंझनपुर पुलिस द्वारा आरएएफ (RAF) फोर्स के साथ थाना क्षेत्र एवं कस्बा मंझनपुर में एरिया डोमिनेशन/फ्लैग मार्च किया गया।

इस दौरान पुलिस बल द्वारा प्रमुख चौराहों, बाजारों एवं संवेदनशील स्थलों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारियों से संवाद स्थापित कर त्योहारों को आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्द के साथ मनाने की अपील की गई। पुलिस द्वारा आमजन से अनुरोध किया गया कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक/आपत्तिजनक पोस्ट साझा न करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दें।

जनपद पुलिस द्वारा त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु निरंतर गश्त एवं एरिया डोमिनेशन की कार्यवाही जारी रहेगी।

तेज रफ्तार ट्रक खड़े ट्रेलर ट्रक से टकराई,ट्रक में फंसकर दो ट्रक चालकों की मौत

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। जिले के कोखराज थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है जहा देर रात कानपुर से प्रयागराज की ओर जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने आगे खड़े ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के चालक वाहन में फंस गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से फंसे हुए चालकों को बाहर निकाला लेकिन तब तक उनकी मौत हो गई। पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच में जुटी हुई है।

कोखराज थाना क्षेत्र के कसिया पश्चिम के पास नेशनल हाइवे पर देर रात कानपुर से प्रयागराज की तरफ जा रहे ट्रक ने सड़क किनारे खड़े ट्रेलर में पीछे से जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में ट्रक चालक अजय कुमार पुत्र देशराज निवासी चक मुगल, जनपद फतेहपुर ट्रक के केबिन में बुरी तरह फंस गया। घटना की सूचना पर पहुंची कोखराज थाना पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से उन्हें बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। वहीं ट्रेलर चालक भंवर सिंह पुत्र मोहन सिंह निवासी बीकानेर, राजस्थान ट्रेलर के नीचे दब गए।

उन्हें गंभीर हालत में एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय मंझनपुर भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी है।कोखराज थाना प्रभारी चंद्र भूषण मौर्य ने बताया की सड़क हादसे में दो लोगों की मृत्यु हुई है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ढकपुरा जल निगम रमजान में बन्द हुआ

सबसे तेज प्रयागराज
फूलपुरः षष्टम निर्माण शाखा उ० प्र० जल निगम का ढकपुरा पम्प हाउस रमजान के माह में बन्द हो जाने से रोजेदारों को पानी के लिये बहुत ही मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। दिन भर के भूखे प्यासे रोजेदारों को शाम को पानी की भारी मशक्कत उठानी पड़ रही है।

दर्जन भर गाँव ढकपुरा, रैनी, मैलहन, अहरौला, उसरी, श्रीनगर, रसूलपुर आदि गाँवों में पानी की भारी किल्लत पैदा हो गई है। जब से ढकपुरा पम्प हाउस से सरकारी आपरेटर हटाया गया है तब से आये दिन यही समस्या खड़ी रहती है। समुदाय विशेष के लोगों ने रोजेदारों के लिये पानी की आवश्यकता हेतु अविलम्ब प्रबन्ध करने की मांग की है।

एएसपी ने मंगलवार को ली परेड की सलामी

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह द्वारा मंगलवार को पुलिस लाइन कौशाम्बी में मंगलवार की परेड की सलामी ली गई। इस अवसर पर टोलीवार परेड का निरीक्षण कर परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों एवं प्रशिक्षु आरक्षियों के टर्नआउट का अवलोकन किया। परेड के दौरान पुलिसकर्मियों एवं प्रशिक्षु आरक्षियों को दौड़,पीटी अभ्यास एवं टोलीवार ड्रिल कराई गई। परेड उपरांत एएसपी द्वारा पुलिस लाइन स्थित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया गया तथा साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

राष्ट्रीय सेवा योजना का द्वितीय दिवस : मोबाइल के सदुपयोग और दुरुपयोग की दी गई जानकारी

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। मंगलवार को रामदुलारी बच्चू लाल जायसवाल पीजी कॉलेज नवाबगंज में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर को दूसरे दिन का प्रारंभ प्रार्थना एवं व्यायाम से हुआ। मोबाइल के उपयोग एवं दुरुपयोग विषय पर रैली द्वारा जलालपुर चाधनउर्फ पीथीपुर गांव में लोगों को जागरूक किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कैंप संयोजक सपना साहू एवं कार्यक्रम अधिकारी प्रतिमा कुमारी द्वारा मोबाइल के उपयोग एवं दुरुपयोग पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस विषय पर स्वयंसेवकों द्वारा पक्ष विपक्ष वाद विवाद भी कराया गया जिसमें अक्षेषा मौर्य और आदर्श त्रिपाठी का अच्छा प्रदर्शन रहा। राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्मीबाई स्वयंसेवक समूह द्वारा जलपान एवं भोजन का प्रबंध किया गया। श्रेयांशी, नेहा ,अक्षेषा, अंबिका,अल्का, दीक्षा,हरिओम ,रितेश ,विनोद का योगदान कैंप में सराहनीय रहा।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद गिरफ्तारी पर रोक के लिए हाईकोर्ट पहुंचे, दाखिल की याचिका

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने नाबालिग बच्चों के कथित सेक्सुअल हैरेसमेंट और दूसरे अपराधों के लिए केस दर्ज होने के बाद अग्रिम जमानत के लिए मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल किया। याचिका उनके शिष्य मुकुन्दानंद की तरफ से भी दाखिल की गई है। याचिका की प्रति सरकारी दफ्तर में उपलब्ध करा दी गई है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद ने संयुक्त रूप से याचिका दाखिल किया है। याचिका में अग्रिम जमानत की मांग की गई है। उन पर नाबालिग बच्चों के यौन उत्पीड़न और अन्य अपराधों का आरोप है। यह एफआईआर प्रयागराज के झूंसी पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है। याचिका में आशुतोष ब्रह्मचारी को भी पक्षकार बनाया गया है।मुकुंदानंद ब्रह्मचारी को नामजद किया गया है। उन पर पिछले एक साल में दो व्यक्तियों, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है, के यौन शोषण का आरोप है। शिकायतकताओं में आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज और दो अन्य व्यक्ति शामिल हैं। उन्होंने गुरुकुल और माघ मेला जैसी धार्मिक सभाओं में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है।यह कार्रवाई शनिवार को प्रयागराज के विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) के आदेश के बाद हुई। एफआईआर पॉक्सो अधिनियम और बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज की गई है।

शिकायत में दो से तीन अज्ञात व्यक्तियों के नाम भी शामिल हैं। आरोप है कि आरोपी धार्मिक गुरु बनकर नाबालिग और एक अन्य युवक का बार-बार यौन उत्पीड़न करते थे।स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने हाल ही में माघ मेला आयोजकों पर मौनी अमावस्या पर स्नान से रोकने का आरोप लगाया था।

जिले के कंट्रोल रूम से स्ट्रांग रूम पर रखी जा रही नजर

डीआईओएस कार्यालय में शिफ्ट वार लगे है कर्मचारी

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। यूपी बोर्ड के हाई स्कूल और इंटर परीक्षा के दौरान जिले के परीक्षा केन्द्रों पर बने स्ट्रांग रूम पर डीआईओएस कार्यालय में बने कंट्रोल रूम से दिन, रात नजर रखी जा रही है। इस दौरान कंट्रोल रूम में दर्जनभर कर्मचारी अलग - अलग पालियों में डियूटी कर रहे है। उनके साथ प्रभारी भी लगे है जिससे कि जिलों के परीक्षा केन्द्रो पर बने स्ट्रांग रूम पर नजर रखी जा सके। इसकी समीक्षा डीआईओएस पीएन सिंह कर रहे है। उन्होंने बताया कि परीक्षा केन्द्रो के स्ट्रांग रूम पर 24 घण्टे नजर रखी जा रही है जिससे कि कोई गडबडी ना होने पाए। उन्होंने बताया कि परीक्षा के दौरान नकल रोकने के लिए सात दस्ते गठित किए गये है। उन्होंने बताया कि अभी तक किसी भी परीक्षा केन्द्र के स्ट्रांग रूम से कोई शिकायत नही मिली है। उधर, यूपी बोर्ड मुख्यालय प्रयागराज प्रदेश के सभी परीक्षा केन्द्रों के स्ट्रांग रूम पर दिन, रात नजर रखे हुए है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि दिन, रात परीक्षा केन्द्रो के स्ट्रांग रूम पर नजर रखी जा रही है, किसी भी गडबडी की सूचना नही मिली है।

12 हजार रुपये के नकली नोट, 14 हजार रुपये के अधछपे नोट, नोट छापने का प्रिंटर, 03 मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त 01 बाइक बरामद

नकली नोट छापने वाले 3 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत रविवार को थाना नरौरा पुलिस एवं स्वाट टीम देहात द्वारा एक अभिसूचना के आधार पर सिंचाई विभाग कॉलोनी के पास से 03 शातिर अभियुक्तों को 12 हजार रुपये के नकली नोट व घटना में प्रयुक्त बाइक सहित गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी है जिनके द्वारा सोमवार को थाना नरौरा क्षेत्रान्तर्गत बाजार में सब्जी विक्रेता को 500-500 रुपये के फर्जी नोट दिए गए थे जिनकी शिकायती प्रार्थना पत्र के सम्बन्ध में थाना नरौरा पर मुअसं-32/2026 धारा 179 बीएनएस पंजीकृत किया गया था। अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं बरामदगी के

संबंध में थाना नरौरा पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

*गिरफ्तार अभियुक्त भूपेन्द्र यादव पुत्र बुद्धपाल निवासी उदयभान नगर थाना गुन्नौर जनपद सम्भल, राकेश यादव पुत्र रमेश चन्द निवासी ग्राम भौना नंगला थाना जुनावाई जनपद सम्भल, कुंवरपाल पुत्र रघुनाथ निवासी उदयभान नगर थाना गुन्नौर जनपद सम्भल।

पूछताछ का विवरणः गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ पर बताया कि उनके द्वारा नकली नोट छाप कर बाजारों में छोटी-छोटी दुकानों, सब्जी की दुकानों व पशु पैंठ आदि में चलाये जा रहे थे जिसमें कामयाब होने पर अभियुक्त भूपेन्द्र यादव के दिमाग में बैंक से प्रोपर्टी के नाम पर 50 लाख का लोन लेने तथा लोन रिपेमेंट में नकली नोट बैक में जमा करने की योजना आई थी।

योजना के अनुसार इनके द्वारा हाल ही में भारतीय स्टेट बैंक में श्याम प्रोपर्टी के नाम से करंट खाता खुलवाया गया है।

गोरखपुर में सेनाझवायु सेना का मानवीय अभियान: पहले दिन 100 से अधिक नेत्र सर्जरी, सैकड़ों को मिली नई रोशनी

सबसे तेज प्रयागराज

गोरखपुर।"राष्ट्र प्रथम" की भावना को साकार करते हुए भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना द्वारा गोरखपुर में संयुक्त रूप से आयोजित 'मेगा नेत्र शिविर' का शुभारंभ आज '12 वायु सेना अस्पताल' में हुआ। शिविर के पहले ही दिन 100 से अधिक मरीजों की सफल नेत्र सर्जरी कर उन्हें नई रोशनी प्रदान की गई।

यह विशेष मेगा नेत्र शिविर 27 फरवरी 2026 तक निरंतर संचालित होगा, जिसमें 300 से अधिक लोगों की आंखों की सर्जरी किए जाने की योजना है। पहले दिन की शानदार शुरूआत ने इस मानवीय अभियान की सफलता की मजबूत नींव रख दी है।

विश्व-प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ के नेतृत्व में सर्जिकल टीम

शिविर में सर्जिकल टीम का नेतृत्व विश्व-प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ ब्रिगेडियर (डॉ.) संजय कुमार मिश्रा कर रहे हैं, जो आर्मी हॉस्पिटल (रिसर्च एंड रेफरल) में नेत्र विभाग के प्रमुख एवं वरिष्ठ सलाहकार हैं। 30 वर्षों से अधिक सेवा अनुभव वाले डॉ. मिश्रा आधुनिक सर्जिकल तकनीकों और राष्ट्र सेवा के लिए विख्यात हैं।

डॉ. मिश्रा का जन्म आजमगढ़ में हुआ तथा वे मऊ जिले से भी जुड़े हैं, जहां वे पूर्व में एक हजार से अधिक मरीजों को जीवन बदलने वाली चिकित्सा सेवाएं दे चुके हैं। उनकी उत्कृष्ट सर्जिकल क्षमता का प्रमाण यह है कि उन्हें भारत के पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद तथा वर्तमान राष्ट्रपति

द्रौपदी मुर्मु की सफल नेत्र सर्जरी करने का गौरव प्राप्त हुआ है।

आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ टीम

पहले दिन की सर्जरी में मोतियाबिंद ऑपरेशन, मिनिमली इनवेसिव ग्लूकोमा सर्जरी (MIGS) तथा जटिल रेटिना सर्जरी शामिल रहीं। लेफ्टिनेंट कर्नल रवि चौहान और मेजर अमृता जोशी सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से सफल ऑपरेशन किए। आवश्यक चिकित्सा उपकरणों को भारतीय वायु सेना के सेवा विमान से गोरखपुर लाया गया।

इस शिविर में भूतपूर्व सैनिकों, सेवारत कर्मियों के आश्रितों तथा जरूरतमंद नागरिकों की व्यापक नेत्र जांच और सर्जरी की जा रही है। आने वाले दिनों में बड़ी संख्या में मरीजों के पहुंचने की संभावना है।

उच्च अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति

उद्घाटन अवसर पर आरती सरीन, महानिदेशक सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाएं (DGAFMS), तथा संदीप थरेजा, महानिदेशक चिकित्सा सेवाएं (वायु), की गरिमामयी उपस्थिति रही। वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी ने इस पहल के राष्ट्रीय महत्व को रेखांकित किया।

सेवा और सुरक्षा का संगम

भारतीय सेना का यह अभियान उसकी दोहरी भूमिका को दशार्ता है–एक ओर देश की सीमाओं की सुदृढ़ रक्षा और दूसरी ओर समाज के प्रति संवेदनशील मानवीय सेवा। इससे पहले भी सेना की विशेषज्ञ टीम हिमालयी क्षेत्रों, जम्मू और कच्छ के सुदूर सीमांत गांवों में छह सफल नेत्र शिविर आयोजित कर चुकी है।

गोरखपुर में आयोजित यह मेगा नेत्र शिविर 27 फरवरी 2026 को समापन समारोह के साथ पूर्ण होगा। पहले दिन की अभूतपूर्व सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह अभियान सैकड़ों जरूरतमंद लोगों के जीवन में नई रोशनी और नई उम्मीद लेकर आया है।

यूपी बोर्ड के विद्यालयों में बोर्ड के स्वीकृत प्रकाशकों की पढाई जाएगी किताबें

यूपी बोर्ड के अपर सचिव (शोध) डा स्कंद शुक्ला ने कहा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की पाठ्य पुस्तकों को स्पष्ट किया है कि यूपी बोर्ड को उसके अधिनियम के तहत यह अधिकार है कि यूपी बोर्ड से संबंधित विद्यालयों में बोर्ड द्वारा स्वीकृत प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित पाठ्य पुस्तकें ही पढ़ाई जाएंगी जिसमें राजकीय,सहायता प्राप्त और वित्त विहीन तीनों प्रकार के विद्यालय शामिल हैं। यह फैसला जस्टिस नीरज तिवारी और जस्टिस गरिमा प्रसाद की डिवीजन बेंच ने यूपी बोर्ड सचिव भगवती सिंह के 8 जनवरी के आदेश के खिलाफ प्रकाशक मेसर्स राजीव प्रकाशन एंड कंपनी और दो अन्य की ओर से दाखिल याचिकाओं को निस्तारित करते हुए दिया है।

यूपी बोर्ड के अपर सचिव (शोध) डा स्कंद शुक्ला ने आज बताया कि यूपी बोर्ड को अधिनियम- 1921 और 1979 के पाठ्य पुस्तक एक्ट के तहत यह अधिकार है कि यूपी बोर्ड के नियंत्रण वाले विद्यालयों में वही पाठ्य पुस्तकें पढ़ाई जाएंगी जिसे यूपी बोर्ड स्वीकृति प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से 8 जनवरी को एक विज्ञप्ति जारी की गई थी जिसमें स्पष्ट कर दिया गया था कि यूपी बोर्ड द्वारा जिन तीन प्रकाशकों मेसर्स पायनियर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स आगरा, मेसर्स पीतांबरा बुक्स प्राइवेट लिमिटेड बिजौली झांसी और मेसर्स सिंघल एजेंसीज लखनऊ को पुस्तकों के प्रकाशन के लिए अधिकृत किया गया है। उनके द्वारा ही प्रकाशित 36 विषयों की 70 पुस्तकों को विद्यालयों में पढ़ाया जाएगा। इनके अलावा किन्हीं अन्य प्रकाशकों की पुस्तकें विद्यालयों में नहीं पढ़ाई जाएंगी लेकिन विद्यालयों में अगर अन्य प्रकाशनों की पुस्तकें पढ़ाई जाएंगी या फिर बच्चों से यह जबरदस्ती की जाती है कि वह दूसरे अनाधिकृत प्रकाशकों की किताबें और गाइड खरीदें और पढ़ें। तो ऐसा करना जहां शिक्षा की गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ होगा। वहीं इससे उन्हें मंहगी किताबें खरीदनी पड़ेगी।

अपर सचिव (शोध) डा स्कंद शुक्ला ने कहा है कि यूपी बोर्ड की ओर से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि अधिकृत किताबें ही पढ़ाई जाएं। जहां कभी कस्टमाइज यानी कुछ बदलाव की जरूरत पड़ती है तो वह बदलाव भी बोर्ड की ओर से किए जाते हैं। जो बच्चों के लिए उपयोगी साबित हों। उन्होंने दावा किया है कि यूपी बोर्ड द्वारा जिन प्रकाशकों अनुमति देकर पुस्तकें प्रकाशित कराई जा रही हैं वह बेहद कम दाम में बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा है कि यूपी बोर्ड द्वारा यह जनहित में उठाया गया कदम है और यह बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम है। उन्होंने कहा है कि अगर इस प्रावधान के खिलाफ कोई भी जाता है तो उसके खिलाफ पेनाल्टी का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा है कि यूपी बोर्ड के 8 जनवरी के उस आदेश के खिलाफ में मेसर्स राजीव प्रकाशन एंड कंपनी व दो अन्य प्रकाशक इलाहाबाद हाईकोर्ट गए थे लेकिन इलाहाबाद हाई कोर्ट का जो आदेश आया है। उसमें हाईकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि यूपी बोर्ड को यह अधिकार है कि वह अपनी किताबें प्रकाशित कर सकता है और प्रिसक्राइब कर सकता है। यूपी बोर्ड के विद्यालयों में वही पुस्तकें पढ़ाई जाएंगी जिसे यूपी बोर्ड ने प्रकाशकों को स्वीकृति प्रदान कर प्रकाशित कराया है।

यूपी बोर्ड के अपर सचिव (शोध) डा स्कंद शुक्ला ने स्पष्ट किया है कि हाईकोर्ट ने अन्य प्रकाशकों को अपनी पुस्तकें प्रकाशित करने पर रोक नहीं लगाई है लेकिन यूपी बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में वही पुस्तक की पढ़ाई जाएंगी जो यूपी बोर्ड द्वारा निर्धारित की गई हैं। उन्होंने कहा है कि यूपी बोर्ड ने तीन प्रकाशकों को एनसीईआरटी की 70 पुस्तकें 36 विषयों की प्रकाशित करने की स्वीकृति प्रदान की है। इसके अलावा हिंद,संस्कृत और उर्दू की किताबें जो पूर्ण रूप से विकसित की गई है उसे भी इन्हीं प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित कराया गया है। उन्होंने कहा है कि यूपी बोर्ड द्वारा स्वीकृत तीन प्रकाशकों के अतिरिक्त अगर किसी प्रकाशकों की पुस्तकें यूपी बोर्ड के विद्यालयों में पढ़ाई जाएगी तो दंडात्मक कार्यवाही की जा सकती है।

साधना, सेवा है जीवन का उददेश्य : स्वामी श्री हरिनारायण समदर्शी

छत्रपति शिवाजी महाराज ने सनातन को दिया था नयी दिशा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। स्वामी श्री हरिनारायण समदर्शी महराज छत्रपति शिवाजी महाराज के 12वें पिंडी वंशज महारानी छत्रपति राजमाता के राजगुरु है। स्वामी श्री हरिनारायण समदर्शी महराज एक आध्यात्मिक प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं, जो आज की युवा पीढ़ी के लिए एक आदर्श हैं। उन्होंने कहा कि हमारी युवा पीढी छत्रपति शिवा जी महराज के जीवन संघर्षो, राष्ट्र के प्रति प्रेम, समर्पण, सदभाव, लोगों के कल्याण की योजना, सभी की मदद करना सहित अन्य से सीख लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवा जी महराज ने सनातन धर्म और सनातनियों का संरक्षण किया है जिससे बडी संख्या में लोगों ने एकत्र होकर छत्रपति शिवा जी महराज के नेतृत्व में मुगलों के खिलाफ लडाई लडी जिससे सनातन धर्म की धर्म ध्वजा फहराती रही।

स्वामी श्री हरिनारायण समदर्शी महराज का जन्म उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जनपद के ग्राम पिपरौद में सरयू पारीय ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता संतोष बालकृष्ण मिश्रा और माता श्रीमती उर्मिला देवी संतोष मिश्रा हैं। 8 वर्ष की बाल्यकाल अवस्था में स्वामी हरिनारायण समदर्शी का मन गुरुकुल परंपरागत वेदाध्यन और सनातन परम्परा की ओर प्रेरित था। स्वामी जी के बाबा बालकृष्ण बालक आश्रम तपस्वी दंडी संन्यासी संत थे। दंडी स्वामी बाबा के प्रेरणा से उन्होंने संपूणानंद विश्वविद्यालय वाराणसी काशी विद्यालय और शाखा प्रयागराज सरजू पारी में श्री वेद पाठशाला में अध्ययन किया। उन्होंने शुक्ल यजुर्वेद का सांगोपांग अध्ययन किया और गिरनार सिद्ध संतों की भूमि में संतों के सानिध्य में गुरु दीक्षा प्राप्त की।

स्वामी श्री हरिनारायण समदर्शी महराज ने मां भगवती की शक्ति उपासना साधना करते हुए तपस्या की। उन्होंने प्रयागराज गंगा में खड़े होकर सात वर्ष तक साधना की और गुजरात जूनागढ़ गिरनार में सिद्ध संतों का सान्निध्य प्राप्त करके सिद्धियां प्राप्त कीं।

स्वामी श्री हरिनारायण समदर्शी महराज ने बताया कि मां सिद्धेश्वर पुरुषार्थ दंडी स्वामी बालक आश्रम चित्रकूट के अध्यक्ष हैं, जिसकी स्थापना 150 वर्ष पूर्व उनके पूर्वजों ने किया था। उन्होंने आराध्य तपोस्थली आश्रम पुणे महाराष्ट्र और अरैल प्रयागराज में आश्रमों की शाखाएं स्थापित कीं। उनका उद्देश्य गौ-संत सेवा, ब्राह्मण सेवा, विद्यार्थी सेवा और भगवत्भागवतों की सेवा है।

स्वामी श्री हरिनारायण समदर्शी महराज ने बताया कि एक प्रेरणाश्रोत हैं जो अपने शिष्य - प्रशिष्यों के सेवा कार्यों को करने के लिए प्रेरित करते हैं। वह संतो की सेवा कर रहे हैं और अपने पूवार्चार्यों की कृति को संजोये रखते हैं।

कुंभ मेला प्रयागराज, माघ मेला क्षेत्र में सवा महीना तक गंगा स्नान करने वाले बडी संख्या में श्रद्धालु, संत, महात्माओं और भक्तों को प्रतिदिन भण्डारे का प्रसाद,वस्त्र प्रदान करते है। माघ मेला के पश्चात आश्रमों में विभिन्न प्रकार की दैनिक सेवा रहती है। स्वामी श्री हरिनारायण समदर्शी महराज ने बताया कि जीवन भर संत, श्रद्धालुओं की अन्न से सेवा करते रहेगे।

सनातन शक्ति को मजबूत करना, सभी जातियों को एक सूत्र में करना है संगठित : शैलेंद्र पांडे

हनुमत संग सनातन हुंकार रैली आज, शामिल होगे हजारों लोग

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज।हनुमत संग के संस्थापक व अध्यक्ष शैलेंद्र पांडे (शीलू भाई) ने बताया कि संगठन का मूल उद्देश्य सनातन शक्ति को मजबूत करना एवं सभी जातियों को एक सूत्र में संगठित करना है। उन्होंने कहा कि सनातन हुंकार रैली का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर सनातनियों पर हो रहे अत्याचार विशेषतया बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदुओं का नरसंहार व बेटियों पर अत्याचार हो रहा है ' पाकिस्तान हो या विश्व के अन्य देशों में भी सनातनियों पर अत्याचार बढ़ रहा है जिससे आम सनातनी दुःखी है।

उन्होंने कहा कि हनुमत संग समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ मजबूती से खड़ा है।

हनुमत संग समिति सनातनधर्मियों के साथ हो रहे उत्पीडन को रोकने के लिए बुधवार को सनातन हुंकार रैली सायंकाल 4 बजे धरना स्थल पत्थर गिरजाघर से प्रारंभ होकर सुभाष चौराहे तक जाएगी। सुभाष चौराहे पर सामूहिक वंदे मातरम का गायन किया जाएगा। इस अवसर पर सनातन शक्ति को सुदृढ़ करने में योगदान देने वाली सनातनी योद्धाओं का नागरिक अभिनंदन और सम्मानित किया जाएगा '

हनुमत संग के संस्थापक व अध्यक्ष शैलेंद्र पांडे (शीलू भाई) ने बताया कि हनुमत संग बेटियों पर जेहाद, बेटियों का अपमान, बेटियों पर अत्याचार,गाय, गंगा, गीता का अपमान, संत, सनातन, संस्कृति का अपमान, रंग, भेष, भाषा, क्षेत्र और जाति का अपमान नहीं सह सकता और इनके सम्मान के लिए समर्पित है' इस रैली में जहां एक ओर सनातन समाज के सभी वर्गों के साथ डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, शिक्षाविद, छात्र - छात्राएं, अधिवक्ता, व्यापारी, मार्केटिंग प्रोफेशनल मेडिकल व अन्य सभी के साथ हिन्दू संगठन सम्मलित होंगे वहीं दूसरी ओर महिला, पुरुष बुजुर्गों के साथ आसपास के गांव व जिलों से भी लोग शामिल होंगे '

रैली में सम्मिलित होने के लिए हनुमत संग के कोषाध्यक्ष अभिनव त्रिपाठी व प्रकाशन मंत्री चंद्र प्रकाश यादव,श्री दुकान जी, डॉ बीके कश्यप , राजीव मिश्रा, धर्मेंद्र द्विवेदी, हेमंत बनर्जी, दुर्गेश दुबे, आयुष मिश्रा, आदित्य पाठक, राम प्रकाश तिवारी, आरपी यादव , राकेश पासी, दिनेश यादव, केशव पांडे, सतीश द्विवेदी, जेसी श्रीवास्तव, दिलीप पांडे ,श्रीमती प्रतिभा सिंह , श्रीमती शिखा, श्रीमती ऊष्मा मिश्रा, संतोष हेला, अवधेश निषाद सहित बडी संख्या में लोग शामिल होगे।

हण्डिया पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस आयुक्त व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना हण्डिया पर पंजीकृत मुकदमा से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त श्यामधर पुत्र दिलीप निवसीं ग्राम ढेडा वार्ड नं0-02 थाना हण्डिया

कमिश्नरेट प्रयागराज उम्र करीब 38 वर्ष को थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा मंगलवार को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम ढेढा स्थित प्राथमिक विद्यालय के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी ।

उल्लेखनीय है कि दिनांक-31.10.2024 को अभियुक्त श्यामधर उपरोक्त द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर मुकदमा वादी तथा उसके पिता के साथ गाली-गलौज करते हुये मार-पीट की गयी थी जिसमें मुकदमा वादी के पिता की इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी थी, जिसके सम्बंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था । मुकदमा उपरोक्त से सम्बंधित 01 नामजद अभियुक्त रवि गौतम पुत्र मुन्नी लाल को पूर्व में ही गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम प्रभारी निरीक्षक नितेन्द्र कुमार शुक्ला, थाना हण्डिया.

चौकी प्रभारी दिनेश कुमार सिंह. उ0नि0 केसरी तिवारी, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

जनता से जुड़ी समस्याओं का समाधान है सम्भव- नगर आयुक्त

अभी तक हुए कार्यों की हुई समीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नगर निगम में आज मंगलवार को सम्भव जनसुनवाई के दौरान नगर आयुक्त, सीलम साईं तेजा जी नगर निगम के अपने क्षेत्रों से आए जनमानस की समस्याओं को सुना। नगर आयुक्त ने कहा कि समस्याओ का त्वरित निस्तारण करना हमारा दायित्व है।

जनसुनवाई के दौरान नगर आयुक्त ने अश्वासन दिया कि जनसुनवाई में आई शिकायतो में पेयजल तथा सड़क-नाली निर्माण तथा अतिक्रमण आदि से जुड़ी रहती है ।

नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पेयजल तथा नालों और नालियों की साफ-सफाई तथा जाम नालियों की समस्या है उसे मरम्मत या निर्माण कार्य करने को कहा इस दौरान शहर में विभिन्न स्थानों चबूतरे, पेयजल, शौचालय/यूरिनल, जल की समस्याओं, हाउस टैक्स तथा नगर की सड़कों पर सफाई की व्यवस्था किये जाने का ध्यान रखने को कहा इसी क्रम में साफ-सफाई मार्ग प्रकाश, मलवा, अतिक्रमण जैसी समस्या को तत्काल निस्तारण का आदेश को दिया

सम्भव की बैठक में अपर नगर आयुक्त दीपेन्द्र यादव,अरविन्द कुमार रॉय, राजीव कुमार शुक्ला दिनेश चंद्र सचान मुख्य अभियंता (सिविल), संजय कटियार मुख्य अभियंता (वि./या.), डाङ्ग महेश कुमार नगर स्वास्थ्य अधिकारी, गौरव कुमार महाप्रबंधक जलकल पी. के. मिश्रा मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, डाङ्ग विजय अमृत राज पशु चिकित्सा कल्याण विभाग ,रामपूजन सहायक नगर आयुक्त अशोक कुमार जोनल अधिकारी जोन 1, संजय मंमगई जोनल अधिकारी जोन 2, नवनीत शंखवार जोन 3, विकास जैन जोन 4, अखिलेश त्रिपाठी जोन 5, श्याम कुमार जोन 6, सौरभ यादव जोन 7,सुदर्शन चंद्र जोन 8

अनिल कुमार मौर्या अधिशासी अभियंता एवं सभी जोनल अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

लालगोपालगंज: सहालग और रमजान की दोहरी मार, फलों के दाम छू रहे आसमान

धीरज सोनी

सबसे तेज प्रयागराज

लालगोपालगंज, प्रयागराज` क्षेत्र में इन दिनों शादियों के सीजन सहालग और रमजान के मुकद्दस महीने की रौनक है लेकिन बाजार की महंगाई ने इस खुशहाली पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। इफ्तार की थाली हो या शादी-ब्याह के फल, कीमतों में अचानक आए 30% से 50% तक के उछाल ने आम आदमी का बजट बिगाड़ दिया है।

इफ्तार की थाली से गायब हो रही फलों की मिठास

मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए अब फलों की टोकरी सजाना किसी चुनौती से कम नहीं है। स्थानीय कस्बे के बाजारों में जो फल हफ्ते भर पहले सुलभ थे, उनके दाम अब दोगुने की ओर बढ़ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि एक साथ सहालग और रमजान आने की वजह से मांग बढ़ गई है जिसका सीधा असर कीमतों पर दिख रहा है। स्थानीय रोजेदारों का कहना है कि इफ्तार में फलों का होना सुन्नत और सेहत दोनों के लिए जरूरी है, लेकिन 80 रुपये दर्जन केला और 45 किलो तरबूज खरीदना अब मजबूरी बन गया है । वहीं स्थानीय फल विक्रेताओं मो0 सलीम का ने बताया कि मंडियों से ही माल ऊंचे दामों पर मिल रहा है, जिसके कारण उन्हें भी दाम बढ़ाने पड़ रहे हैं।

केला दर्जन पहले 40 — 50 अब 70 — 90

तरबूज किलो पहले 20 — 25 अब 35 — 45

पपीता किलो 30 — 40 अब 60 - 70

सेब किलो 120 — 150 अब 200 — 250

अंगूर किलो 60 — 80 अब 100 - 120।

परम्परागत ढंग से ही होली व अन्य पर्वो को मनाये, किसी नई परम्परा की न हो शुरूआत- मनीष वर्मा

अफवाह फैलाने वालो पर पैनी नजर रखते हुए उनके विरूद्ध करें कड़ी कार्रवाई- डॉ0 अजय पाल

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा. की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में आगामी होली पर्व एवं अन्य त्यौहारों को सकुशल एवं सुव्यस्थित ढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उपस्थित पीस कमेटी के पदाधिकारियों, सिविल डिफेंस व जिला अपराध निरोधक समिति के प्रतिनिधियों सहित अन्य गणमान्य लोगो के द्वारा त्यौहारों को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराये जाने के सम्बंध में अपने-अपने सुझाव दिए गए, जिसपर जिलाधिकारी ने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी माह में होली, रमजान, ईद तथा नवरात्रि सहित कई प्रमुख त्यौहार हैं, जिन्हें हम सभी को आपसी सहयोग, सौहार्द के साथ सकुशल व सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराया जाना है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का संदेश लोगो तक पहुंचाने में आप सभी का महत्वपूर्ण योगदान रहता है तथा त्यौहारों को सकुशल सम्पन्न कराये जाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिलाधिकारी ने आगामी त्यौहारों पर किसी भी नई परम्परा की शुरूआत न हो, होलिका दहन स्थान परिवर्तित किए जाने हेतु सभी पक्षों की सहमति हो तथा होलिका दहन से सार्वजनिक आवागमन बाधित न किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक सूचनाओं को उनके संज्ञान में यथाशीघ्र लाने के लिए कहा, जिससे समय रहते उसपर कार्यवाही की जा सके। उन्होंने बोर्ड परीक्षा के दृष्टिगत साउंड सिस्टम को धीमी आवाज में ही बजाये जाने के लिए कहा है, जिससे छात्रों की पढ़ाई में व्यवधान उत्पन्न न हो।

जिलाधिकारी ने बैठक में होलिका दहन के पूर्व ही आयोजको के साथ थानेवार बैठके आयोजित करने के लिए कहा है। उन्होंने अपर जिलाधिकारी नगर, सभी उपजिलाधिकारियों, अपर नगर मजिस्टेज्टों एवं सभी एसीपी को अपने-अपने क्षेत्रों में सभी होलिका दहन स्थलों का भ्रमण करने एवं आयोजको के साथ मुलाकात कर आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने विद्युत विभाग को एलर्ट मोड में रहने तथा अतिआवश्यक होने पर ही

शटडाउन लिए जाने के लिए कहा है। उन्होंने लटके, ढीले व जर्जर तारों को व्यवस्थित करने के साथ ही साथ विद्युत आपूर्ति की सुचारू व्यवस्था रखने के निर्देश दिए है।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आवश्यक दवाईयों एवं चिकित्सकों की उपस्थिति की व्यवस्था बनाये रखने के लिए कहा है। इसके साथ ही साथ उन्होंने एम्बुलेंस की भी समुचित व्यवस्था बनाये रखने के लिए कहा है। उन्होंने सभी चौराहों पर पुलिस कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने जिला आबकारी अधिकारी को अवैध शराब की बिक्री रोके जाने हेतु प्रभावी कार्यवाही करने एवं अभियान चलाकर कच्ची शराब को नष्ट करने तथा शराब की दुकानों को निर्धारित समय पर बंद रखे जाने के निर्देश दिए है।

उन्होंने नगर निगम को शहरी क्षेत्रों में एवं मुख्य विकास अधिकारी को जिला पंचायतराज अधिकारी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने लिए कहा है। जिलाधिकारी ने जल निगम को पेयजल की समुचित व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने अग्निशमन विभाग के अधिकारियों से फायर टेण्डर को एलर्ट मोड में रखने व मोबाइल दस्ते को क्रियाशील रखकर किसी घटना की स्थिति में विक्क रिस्पांड करने के लिए कहा है। उन्होंने इस अवसर पर ओवर स्पीडिंग रोकने, नशे की हालत में वाहन न चलाये जाने व यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाये रखने के निर्देश दिए है।

जिलाधिकारी ने मिलावटी खाद्य पदार्थो पर विशेष निगरानी रखते हुए नकली खोवा के उत्पादन व भण्डारण वाले स्थानों को चिन्हित करते हुए इन्फोर्समेंट की कार्यवाही किए जाने तथा किसी भी दशा में मिलावटी खाद्य पदार्थ की बिक्री न होने पाये, के निर्देश दिए है। उन्होंने मिलावटी खाद्य-पदार्थों की बिक्री करने वालो पर कड़ी कार्यवाही करने के साथ ही साथ विक्रेताओं को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं किए जाने के लिए भी कहा है। उन्होंने परिवहन विभाग को अतिरिक्त बसों की व्यवस्था करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

अपर पुलिस आयुक्त डॉ0 अजय पाल शर्मा ने पीस कमेटी व अन्य संगठनों के पदाधिकारियों से आगामी त्यौहारों को आपसी समन्वय व सद्भावना के साथ मनाये जाने में सहयोग प्रदान करने के लिए कहा। उन्होंने संवेदनशील स्थानों जहां पर पूर्व में कभी-कभी घटनाएं हुई थी, ऐसे संवेदनशील स्थानों का विशेष रूप से भ्रमण किए जाने व सम्बंधित थानों पर आयोजकों के साथ बैठक कर शांतिपूर्ण ढंग से पर्व को मनाये जाने के लिए कहा है। उन्होंने विद्युत तारों के नीचे अथवा दुर्घटना की सम्भावना वाले स्थलों पर होलिका दहन नहीं किए जाने के लिए कहा है।

संपादकीय

अतिथि बनकर जाएं तो न दिखाएं नखरे

भारतीय संस्कृति में अतिथि देवो भवः केवल एक कहावत नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य है। हमारे यहाँ अतिथि का आगमन शुभ माना जाता है। घर की रसोई में हलचल बढ़ जाती है, बैठक सजी-धजी लगने लगती है और मन में एक सहज उत्साह जाग उठता है कि आने वाला व्यक्ति अपनेपन और आदर का अनुभव करे। परंतु विडंबना यह है कि कभी-कभी कुछ अतिथि अनजाने में ही इस आत्मीयता पर पानी फेर देते हैं सिर्फ इस कारण कि वे चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक या परोसे गए नाश्ते को लेकर नखरे दिखाने लगते हैं।

आज के बदलते समय में खान-पान की पसंद-नापसंद स्वाभाविक है। किसी को चाय नहीं पसंद, किसी को कॉफी नहीं जंचती, कोई कोल्ड ड्रिंक से परहेज करता है। परंतु समस्या तब खड़ी होती है जब इन बातों को ऐसे ढंग से कहा जाए कि मेजबान असहज हो जाए। मैं तो चाय नहीं पीता, कॉफी से मुझे एलर्जी है, कोल्ड ड्रिंक बिल्कुल नहीं, ये बिस्कुट नहीं खाता, तेल ज्यादा है ऐसी टिप्पणियाँ यदि संवेदनशीलता के बिना कही जाएँ तो मेजबान की भावना आहत हो सकती है।

मेजबानी केवल परोसना नहीं, भावना है

जब कोई व्यक्ति अपने घर पर किसी को आमंत्रित करता है, तो वह केवल चाय या नाश्ता नहीं परोसता वह अपनी भावनाएँ, अपना समय और अपनी श्रद्धा परोसता है। वह सोचता है कि अतिथि को क्या अच्छा लगेगा, घर में क्या उपलब्ध है, कैसे स्वागत किया जाए। ऐसे में यदि अतिथि हर वस्तु में कमी निकालने लगे या बार-बार मना करता रहे, तो मेजबान के लिए स्थिति दुविधापूर्ण हो जाती है।

सोचिए, यदि आप किसी के घर जाएँ और मेजबान बार-बार पूछे–तो फिर आप क्या लेंगे?–और हर उत्तर में न ही मिले, तो अंततः वह क्या परोसे? उसकी आतिथ्य-भावना कहाँ व्यक्त हो? अतिथि के रूप में हमारा दायित्व भी कम नहीं है। यदि हमें किसी चीज से चिकित्सकीय कारणों से परहेज है, तो विनम्रता से पहले ही सूचित कर देना उचित है। परंतु सामान्य परिस्थितियों में जो भी स्नेहपूर्वक परोसा जाए, उसका थोड़ा-सा स्वाद लेकर धन्यवाद कहना ही शिष्टाचार है।

सच तो यह है कि अतिथि का उद्देश्य भोजन नहीं, संबंधों की ऊष्मा होना चाहिए। यदि हम केवल स्वाद और पसंद के आधार पर प्रतिक्रिया देंगे, तो संबंधों की मिठास फीकी पड़ सकती है।

ना कहने की भी एक संस्कृति हो

जीवन में हर बात स्वीकार करना आवश्यक नहीं, परंतु उसे कहने का तरीका बहुत महत्त्वपूर्ण है। यदि सचमुच चाय नहीं पीते, तो मुस्कुराकर कहा जा सकता है यदि संभव हो तो मुझे सादा पानी ही दे दीजिए। या थोड़ी-सी चाय ले लूंगा। इससे मेजबान को यह अनुभव होता है कि **आपने उसकी भावना का सम्मान किया।**

कटु या उपेक्षापूर्ण ढंग से इनकार करना सामाजिक शिष्टाचार के विपरीत है। यह ध्यान रखना चाहिए कि हम किसी होटल या रेस्तरां में नहीं, किसी के घर में बैठे हैं जहाँ औपचारिकता से अधिक आत्मीयता होती है। हम अक्सर भूल जाते हैं कि किसी के घर जाकर हम उसके संसाधनों का नहीं, उसके मन का आदर करते हैं। अतिथि का सौम्य व्यवहार ही मेजबान के लिए सबसे बड़ा उपहार होता है। यदि हम हर चीज में चयन और आलोचना की दृष्टि रखेंगे, तो धीरे-धीरे लोग बुलाने से कतराने लगेंगे। संबंधों की डोर बहुत कोमल होती है। एक छोटी-सी टिप्पणी भी उसमें गांठ डाल सकती है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने व्यवहार में सहजता और विनम्रता बनाए रखें। आज की पीढ़ी अधिक स्पष्टवादी है, जो अच्छी बात है। परंतु स्पष्टता और असंवेदनशीलता में अंतर है। बच्चों को यह सिखाना होगा कि अतिथि बनना भी एक कला है। यदि उन्हें कुछ पसंद न हो, तो विनम्रता से कैसे कहें; और यदि संभव हो तो थोड़ा-सा स्वीकार कर संबंधों की मिठास बनाए रखें। अतिथि बनकर जाना केवल मिलने-जुलने की औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। हमें यह समझना होगा कि किसी के घर परोसी गई चाय या नाश्ता केवल खाद्य पदार्थ नहीं, बल्कि सम्मान और स्नेह का प्रतीक है।

मुफ़्त रेवड़ी आवंटन फिक्रमंद अदालत बेफिक्र सरकार?

(लेखक- तनवीर जाफरी)

हमारे देश की राजनीति में नेताओं की सत्ता लोलुपता से देश की आर्थिक स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। केंद्र सरकार से लेकर अनेक राज्य सरकारों द्वारा मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिये ऐसी ऐसी योजनायें शुरू की गयी हैं जिनका सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। आज देश के ऐसे कई राज्य जोकि भारी कर्ज और बजट घाटे में होने के बावजूद चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन, मुफ़्त रसोई गैस आदि बाँट रहे हैं। कहीं बैंक कर्ज मुआफ कर दिया जाता है। यहाँ तक कि अब तो कुछ राज्यों में चुनाव से ठीक पहले मतदाताओं के खातों में नकद धनराशि भी हस्तानांतरित की जा रही है। मतदाताओं को मुफ़्त रेवड़ी बांटने की इस कवायद का दूरगामी प्रभाव यह होता है कि इससे सरकारों के पास विकास कार्यों हेतु व बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पैसे नहीं बच पाते। परन्तु यह निखट्टू लोगों की राजनीति में सक्रियता का ही परिणाम है कि इन सत्तालोलुप लोगों को केवल मतदाताओं के वोट अपने पक्ष में करने व सत्ता में बने रहने के लिये राज्यों का भारी कर्ज में डूबना भी मंजूर है और राज्य का बजट घाटे में जाना भी स्वीकार है। परन्तु सत्ता की इसी तरह की गैर जिम्मेदाराना योजनाओं पर देश की उच्च अदालतें कई बार अपनी चिंतायें जाहिर कर चुकी है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायलय की एक बेंच द्वारा की गयी ऐसी ही

एक ताजातरीन तल्ख टिप्पणी गत 19 फरवरी को एक बार फिर सामने आयी जो गैर जिम्मेदार सत्ताधीशों के लिये आँखें खोलने वाली हैं। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत द्वारा यह टिप्पणी उस समय की गयी जब तमिलनाडु सरकार द्वारा सभी उपभोक्ताओं को मुफ़्त बिजली देने के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी। इस दौरान सर्वोच्च न्यायलय ने मुख्य रूप से यह कहा कि -कई राज्य पहले से ही भारी कर्ज और बजट घाटे में हैं, फिर भी चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन , रसोई गैस, कैश ट्रांसफर जैसी मुफ़्त सुविधाएं बांट रहे हैं। इससे विकास और बुनियादी ढांचे के लिए पैसे नहीं बचते। अगर सरकारें लोगों को सुबह से शाम तक सब कुछ मुफ़्त देती रहेंगी, तो लोग काम क्यों करेंगे? इससे काम करने की आदत खत्म हो जाएगी और लोग आलसी बन जाएंगे। गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन अमीर-गरीब में फर्क किए बिना सबको मुफ़्त सुविधाएं देना गलत है। यह एक तरह की तुष्टीकरण नीति है, जो राष्ट्र निर्माण में बाधा डालती है।

इतना ही नहीं बल्कि माननीय अदालत ने सरकार से यह भी पूछा कि आप किस तरह का कल्चर बना रहे हैं? अदालत ने चेतावनी देते हुये कहा कि विकास के लिए एक पैसा भी नहीं बचेगा अगर यह सिलसिला जारी रहा। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकारों को रोजगार सृजन पर फोकस करने की सलाह दी, न कि सिर्फ मुफ़्त चीजें बांटने पर। यह सुनवाई के दौरान की गई मौखिक टिप्पणियां थीं, जो फ्री बीज कल्चर पर कोर्ट की बढ़ती चिंता को दिखाती हैं। पूर्व में भी मुफ़्त रेवड़ी आवंटन को लेकर न्यायालय अपनी चिंतायें जाहिर कर चुकी हैं। 2022-2024 के दौरान भी अदालत ने मुफ़्त की रेवड़ी बांटने को चुनावी लालच देने से जोड़ते हुये कहा था कि यह लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए नुक़्सानदेह है। अदालत ने यह भी बार-बार कहा कि कल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंदों के लिए तो ठीक हैं, लेकिन अनुचित मुफ़्त वादे विकास को रोकते हैं। गोया सर्वोच्च न्यायालय मुफ़्त रेवड़ी कल्चर को न केवल आर्थिक बोझ बता चुका है बल्कि इसे काम की संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के खिलाफ भी माना है। यह आलोचना समय-समय पर दोहराई जाती रही है, खासतौर पर तब जबकि राज्य सरकारें चुनावों से पहले ऐसी योजनाएं घोषित करती हैं। केवल अदालतें ही नहीं बल्कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 2022 में रेवड़ी कल्चर को खतरनाक बता चुके हैं।

यही मुफ़्त रेवड़ी कल्चर गत अक्टूबर 2025 में बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान तो अनैतिकता की अपनी सारी हदें पार कर गया। याद रहे कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का शेड्यूल 6 अक्टूबर 2025 को घोषित हुआ था और उसी दिन चुनाव आचार संहिता भी लागू हो गयी थी। परन्तु चुनाव आचार संहिता की धज्जियाँ उड़ाते हुये बिहार की नितीश सरकार ने अक्टूबर-नवंबर 2025 में कई बार महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपये डायरेक्ट ट्रांसफर कर दिये। बिहार में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत चुनाव घोषित होने के बाद भी महिलाओं के खातों में पैसे ट्रांसफर किये जाने पर काफी विवाद भी हुआ था। परन्तु चुनाव पर इसका असर यह हुआ नीतीश कुमार की अगुवाई में एन डी ए ने बिहार के 2025 के विधान सभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल की।

कई विश्लेषकों ने दावा किया कि महिला मतदाताओं के खातों में 10-10 हजार रुपये डायरेक्ट ट्रांसफर करने के कारण महिलाओं की मतदान दर बढ़ी क्योंकि महिलाओं को इसका सीधे फायदा मिला।

परन्तु विपक्षी दलों ने इसे चुनावी रिश्वत या वोट खरीदने की कोशिश करार दिया था । कुछ सांसदों ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर शिकायत की थी कि यह चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन है और निष्पक्ष चुनाव को प्रभावित करता है। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसी रेवड़ी के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें चुनाव को रद्द करने और नए चुनाव कराने की मांग की गई। और इसे संविधान और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 (भ्रष्ट आचरण) का उल्लंघन बताया। इसी तरह भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ़्त राशन योजना चलाई जा रही है जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत संचालित होती है। यह योजना कोरोना महामारी के दौरान शुरू हुई थी, लेकिन अब इसे स्थायी रूप से विस्तारित कर दिया गया है। सरकारी दावों के अनुसार 1 जनवरी 2024 से अगले 5 वर्षों (यानी दिसंबर 2028 तक) के लिए सरकार ने लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ़्त खाद्यान्न प्रदान करने का फैसला किया है। वर्तमान में लगभग 80 करोड़ लोग इस योजना के तहत मुफ़्त राशन प्राप्त कर रहे हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य सुरक्षा योजनाओं में से एक है। आलोचकों का कहना है कि इस योजना से भी जहाँ लोगों में मुफ़्तखोरी की संस्कृति बढ़ेगी वहीं इस मुफ़्त रेवड़ी का लाभ सत्ता को मिलेगा। बड़ा आश्चर्य है कि आज इस मुफ़्त रेवड़ी आवंटन को लेकर अदालतें तो फिक्रमंद हैं जबकि सरकार पूरी तरह बेफिक्र है?

ईएमएस / 23 फरवरी 26

तकनीकी दावों की पारदर्शिता पर उठते सवाल

डा. पंकज भारद्वाज

देश में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और आधुनिक तकनीक को लेकर लगातार नए दावे किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय, शोध संस्थान और निजी कंपनियां अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी उपलब्धियों का प्रदर्शन कर रही हैं। इसी क्रम में हाल ही में आयोजित एक एआई समिट के दौरान प्रस्तुत एक एआई डॉग को लेकर विवाद खड़ा हो गया। इस प्रकरण ने न केवल संबंधित विश्वविद्यालय की साख पर प्रश्नचिह्न लगाया है, बल्कि शोध अनुदान और पारदर्शिता की व्यापक बहस भी छेड़ दी है।

बताया गया कि एक प्रमुख निजी विश्वविद्यालय, गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने एआई से जुड़ी अपनी उपलब्धियों के प्रदर्शन के दौरान एक रोबोटिक डॉग प्रस्तुत किया। प्रारंभिक दावों में इसे स्वदेशी शोध एवं नवाचार का परिणाम बताया गया, किंतु सोशल मीडिया और तकनीकी विशेषज्ञों के बीच चर्चा के बाद यह बात सामने आई कि यह उपकरण चीन से खरीदा गया था। विवाद बढ़ने पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्वीकार किया कि प्रदर्शित उपकरण विदेशी था।

देश आज आत्मनिर्भरता और नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे अपने दावों में पारदर्शी रहें। शोध केवल धन या उपकरण से नहीं, बल्कि विश्वसनीयता से भी आगे बढ़ता है।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में देश के प्रधानमंत्री की उपस्थिति ने मामले को और अधिक संवेदनशील बना दिया। राष्ट्रीय मंच पर यदि किसी तकनीकी उपलब्धि को स्वदेशी नवाचार के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, तो उससे देश की प्रतिष्ठा जुड़ जाती है। ऐसे में तथ्य और प्रस्तुति के बीच किसी भी प्रकार का अंतर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

यह विवाद केवल एक रोबोटिक उपकरण तक सीमित नहीं है। चर्चा इस बात की भी है कि यदि किसी संस्थान को शोध और नवाचार के लिए बड़ी धनराशि प्राप्त होती है, तो उसके उपयोग में पारदर्शिता और जवाबदेही अनिवार्य है। तकनीकी प्रगति के इस दौर में आंकड़ों और दावों की सत्यता की जांच उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी स्वयं उपलब्धि।

हालांकि, यह भी आवश्यक है कि किसी भी आरोप या आलोचना का निष्पक्ष परीक्षण हो। तकनीकी उपकरणों की खरीद और उनके प्रदर्शन में कई बार सहयोग, आयात या संयुक्त परियोजनाएं शामिल होती हैं। किंतु समस्या तब उत्पन्न होती है जब प्रस्तुति और वास्तविकता में स्पष्टता न हो।

देश आज आत्मनिर्भरता और नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे अपने दावों में पारदर्शी रहें। शोध केवल धन या उपकरण से नहीं, बल्कि विश्वसनीयता से भी आगे बढ़ता है।

यह घटना एक चेतावनी की तरह है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर किसी भी उपलब्धि का प्रदर्शन करते समय तथ्यात्मक शुद्धता और नैतिकता सर्वोपरि होनी चाहिए। क्योंकि तकनीक का भविष्य केवल मशीनों पर नहीं, बल्कि विश्वास पर भी टिका होता है।

डा. पंकज भारद्वाज

एवीके न्यूज सर्विस

सावरकर रहे विशुद्ध हिंदू राष्ट्रवाद के अनुयाई

- सुरेश सिंह बैस शाश्वत

विनायक दामोदर सावरकर तेजस्वी पुरुष थे। ओज और तेज से भरपूर और राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिये पूर्णरुपेण समर्पित, राष्ट्र की स्वतंत्रता के पूर्व और स्वतंत्रता के बाद भी उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र के हित में? ही बीता। विप्लवी सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को देवलाली के पास भंगुर ग्राम में हुआ। उनके पिता का नाम दामोदर पंत और माँ का राधादेवी था। सावरकर के और दो भाई गणेशपंत, नारायण राव भी थे। ये जाति से ब्राम्हण थे। दोनों भाई देश भक्ति में आगे ही आगे रहते। इसी कारण बड़े भाई गणेश पंत को विनायक के पहले से ही काले पानी की सजा हो गई थी। भंगुर ग्राम में प्रारंभिक शिक्षा के बाद वे उच्च शिक्षा के लिये नासिक गये।

13 मार्च 1910 को सावरकर गिरफ्तार कर लिये गये। उन पर ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध राजद्रोह तथा नासिक में एक ब्रिटिश कलेक्टर ए एस टी जैक्सन की हत्या के पड्यंत्र में शामिल होने का आरोप लागाया गया। उन्हें इस अभियोग में अंडमान निकोबार द्वीप में पचास वर्ष के आजीवन काले पानी कारावास की सजा सुनाई गई।

सन् 1905 में सावरकर ने बी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। सन् 1906 से उन्होंने कानून की पढ़ाई शुरू की। आगे की पढ़ाई के लिये वे लंदन गये। कहने को तो ये बैरिस्ट्री की सनद लेने गये थे पर वास्तव में सावरकर विदेश में रहकर भारत की आजादी के लिये कार्य करने गये थे। वे 1906 में लंदन के ग्रेइन में दाखिला लिये। उन्होंने ग्रेइन की अंतिम परीक्षा भी उत्तीर्ण कर ली। लेकिन ग्रेइन की संचालन समिति के बेंचरों ने उन्हें बार में बुलाने से इंकार कर दिया। सावरकर ने राष्ट्रवादी विचारों के लिये लंदन में ही "फ्री इंडिया सोसायटी" की स्थापना की। जिसके माध्यम से वे अभिनव भारत को अपनी परिकल्पना को साकार करने के लिये समान विचारों वाले युवको को एक मंच पर एकत्र करते थे। ब्रिटिश अधिकारियो को उनकी गतिविधियों की भनक लग गई थी तथा स्काटलैण्ड यार्ड के जासूस उन पर नजर रख रहे थे। ग्रेइन ब्रिटिश में कानून की पढ़ाई का सबसे पुराना अध्ययन केन्द्र था। उसके अलावा तीन अन्य केंद्र लिंकन्स इन, इनर टेपल, मिडिल टैपुल भी थे। वे चारों केंद्र कानूनी अध्ययन के प्रतिष्ठित केंद्रों में थे।

ब्रिटेन में परंपरानुसार प्रत्येक बैरिस्टर को इन चार में से किसी एक सोसायटी का सदस्य होना अनिवार्य हैं। ये सोसायटियां ही उत्तीर्ण छात्रों को वैरिस्टर की उपाधि प्रदान करती थीं। सावरकर ने जब कानून की अंतिम परीक्षा भी पास कर ली तब उन्हें उपाधि के लिये बार में नहीं बुलाया गया तो उन्होंने उच्च अधिकारियों के समक्ष इसकी शिकायत की। इस मामले में एक जांच कमेटी बनाई गई जिसके पास पहले से ही सावरकर के खिलाफ ब्रिटेन विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने का आरोप पत्र था। जाँच में सावरकर के विरुद्ध कुछ भी साबित नहीं हो सकने के बावजूद कमेटी ने सावरकर के विरुद्ध ही निर्णय लेकर उन्हें उपाधि नहीं देने का अन्यायी निर्णय लिया। और सावरकर को कानून की पूरी पढ़ाई कर लेने के बाद भी बैरिस्टर के रुप में मान्यता नहीं दी गई। जाँच कमेटी ने उन्हें यह कहा कि वे यह लिखकर दें कि वे राजनीति में कभी भाग नही लेंगे तो उन्हें बैरिस्टर बनाने पर विचार किया जा सकता है। लेकिन सावरकर ने बेझिझक उनका वह प्रस्तात ठुकरा दिया।

सन् 1905 में इनका विवाह जवाहर के दीवान श्री चिपणुकर की पुत्री से हुआ था। प्रसिद्ध क्रांतिकारी कृष्ण शर्मा से संपर्क होने पर उनकी बैरिस्टर की पढ़ाई एवं क्रांतिकारी गतिविधिया दोनों साथ चलने लगी। सावरकर की राजनीतिक गतिविधियों पर गुप्तचर, विभाग की निगाहें शुरू से ही थी। अतएव उन्हें वैरिस्टी की पढ़ाई के बाद भारत आने से रोक दिया गया। उन पर राजद्रोह के आरोप लगाये गये। और उनकी गिरफ्तारी का वारंट इंग्लैंड भेजा गया। 13 मार्च 1910 को सावरकर गिरफ्तार कर लिये गये। उन पर ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध राजद्रोह तथा नासिक में एक ब्रिटिश कलेक्टर ए एस टी जैक्सन की हत्या के पड्यंत्र में शामिल होने का आरोप लागाया गया।

उन्हें इस अभियोग में अंडमान निकोबार द्वीप में पचास वर्ष के आजीवन काले पानी कारावास की सजा सुनाई गई।

अंडमान द्वीप में सावरकर पर अंग्रेज सरकार ने यंत्रणाओ की बौछार कर दी, जिससे उनका स्वास्थ्य बहुत खराब हो गया।

विज्ञान ब्रह्मांड में जीवन निर्माण और विनाश की प्रक्रिया का वृहद ज्ञान भंडार

- सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"

सर सीवी रमन सहित अन्य वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का सम्मान करने के उद्देश्य से प्रति वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाता है । वैज्ञानिक क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए? अनुमोदन मिलने पर, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पूरे भारत में स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थानों में विज्ञान दिवस मनाया जाता है। सबसे पहले 28 फरवरी 1987 को पहले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के बाद, राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान लोकप्रियकरण पुरस्कारों की घोषणा की गई, जिसने व्यक्तियों को विज्ञान और संचार के क्षेत्र उनके योगदान के लिए मान्यता दी।राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को विज्ञान के महत्व के बारे में संदेश फैलाने और यह आम लोगों के दैनिक जीवन को कैसे बेहतर बनाता है , इस उद्देश्य से मनाया जाता है। इसके अतिरिक्त इसे मनाने के निम्नलिखित उद्देश्य भी ध्यान में रखे गए हैं। 1. विज्ञान के क्षेत्र में सभी गतिविधियों, प्रयासों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करें 2. विज्ञान में रुचि रखने वाले भारत के नागरिकों के लिए अवसर प्रदान करना 3. विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रुचि को बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना।

सरल रूप में देखा जाए तो विज्ञान ब्रह्मांड में जीवन, निर्माण और विनाश की प्रक्रिया को समझने के लिए कुछ सैद्धांतिक या प्रेक्टिकल प्रणालियों का उपयोग कर हमारी दुनिया का अध्ययन है। जहां तक देखा जाए तो विज्ञान के क्षेत्र में भारत का एक समृद्ध इतिहास रहा है।जहां कई दिग्गजों ने देश को गौरवान्वित किया है। वही सीवी रमन विज्ञान के क्षेत्र के ऐसे ही एक दिग्गज हैं। इन्ही वैज्ञानिक के संस्मरण में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस भारत में 28 फरवरी को मनाया जाता है। यही वह दिन है जब देश के महान वैज्ञानिक सीवी रमन ने 'रमन प्रभाव' का आविष्कार किया था। वैज्ञानिक सीवी रमन ने 28 फरवरी 1928 को 'रमन इफेक्ट' की खोज की थी। उन्होंने साबित किया था कि अगर कोई प्रकाश किसी पारदर्शी वस्तु के बीच से गुजरता है, तो प्रकाश का कुछ हिस्सा विक्षेपित होता है। जिसकी वेव लेंथ में बदलाव होता है। इस खोज को रमन इफेक्ट नाम दिया गया।सीवी रमन को उनके अविष्कार 'रमन इफेक्ट' के लिए साल 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। सीवी रमन नोबेल पुरस्कार जीतने वाले पहले एशियाई नागरिक थे। सीवी रमन को साल 1954 में "भारत रत्न" से भी नवाजा गया था। लोगों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने और समाज में विज्ञान के प्रति जागरुकता लाने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए ही हर साल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। यह मानव जाति की प्रगति के लिए वैज्ञानिक विश्लेषण और खोज के महत्व पर प्रकाश डालता है। यह भारतीय नागरिकों को भौतिक दुनिया को प्रभावित करने वाली घटनाओं का अध्ययन करने और समझने के लिए प्रोत्साहित करता है। भारतीय गणितज्ञ जैसे- आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त (चक्रीय चतुर्भुज के क्षेत्र सूत्र प्रदान करते हैं) और रामानुजन ने इस क्षेत्र में अग्रणी योगदान दिया है।खगोल विज्ञानः प्राचीन भारतीय खगोलशास्त्री आर्यभट्ट ने खगोल विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसमें पृथ्वी की खोज और सौर मंडल के सूर्य उपग्रह मॉडल का विकास शामिल है। ज्योतिष वेदांगः खगोलीय डेटा का उल्लेख करने वाला पहला वैदिक पाठ, 4000 ईसा पूर्व का है। चिकित्साः आयुर्वेद भारत में चिकित्सा की पारंपरिक प्रणाली, विश्व की सबसे पुरानी चिकित्सा पद्धति से एक है। चरक संहिता और सुश्रुत संहिता जैसे प्राचीन भारतीय ग्रंथ विभिन्न चिकित्सा एवं उनके उपचारों का विस्तृत विवरण प्रदान करते हैं।

प्रौद्योगिकीः भारत में तकनीकी नवाचार का एक लंबा इतिहास रहा है, जिसमें धातु विज्ञान, जहाज निर्माण और कपड़ा उत्पादन का विकास शामिल है।सिंधु घाटी सभ्यताः का एक प्राचीन शहर मोहनजोदड़ो जो 4,500 साल पहले अस्तित्व में था, एक परिष्कृत सीवेज और जल विक्रेताओं ंकी व्यवस्था थी।अंतरिक्ष रॉकेट भारत ने हाल के वर्षों में अंतरिक्ष रॉकेट में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिसमें वर्ष 2014 में मार्स ऑर्बिटर मिशन का सफल प्रक्षेपण और चंद्रयान 3 का चंद्रमा में दक्षिणी ध्रुव पर सबसे प्रथम बार सफल प्रक्षेपण एवं दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाले सबसे पहले देश के रूप में भारत सामने आया।

भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान कार्यक्रम पूर्व निर्धारित है जो लॉन्च होने वाला है।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू अराजनैतिक ने जिलाधिकारी सौंपा ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज।मंगलवार को प्रयागराज से जुड़ी कई गंभीर समस्या जैसे सोरांव और फूलपुर तहसील मे किसानों की कीमती बहुफसली जमीन पर आवास विकास परिषद एवं पी डी ए और यू पी डा प्रयागराज। के द्वारा जबरन भूमि अधिग्रहण ,चकबंदी में किए गए घोटाले भू माफियाओं के नाम की गई जमीन को खतौनी से बेदखल करने एवं बेदखल किए गए किसानों को उनकी जमीन उनके नाम वापस करने, जिले की संपूर्ण नहरों में पानी तत्काल पानी पहुंचाने, मऊआइमा सोरांव व बहरिया ब्लाक मे प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री आवास योजना में अनिमियता भेदभाव बरते जाने, गरीब असहाय विधवा महिला रामपति को आवास से वंचित कर दिए जाने,मानी उमरपुर में मनरेगा के कार्यों में लंबी घोटाले बाजी किये जाने प्रधान की जगह प्रधानी दूसरे के द्वारा किए जाने,अलावलपुर में सरकारी नहरो की टूटी हुई नालियों की मरम्मत किए जाने ,छुट्टा आवारा पशु को पकड़वाये जाने, ब्लॉक के सभी सीएससी अस्पतालों में फर्जी मेडिकल बनाए जाने, इफको यूरिया फूलपुर फैक्ट्री के द्वारा 66000 के वी ए बोल्ट का तार जबरन किसानों की निजी जमीन से खींचे जाने, आदि को लेकर भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के मंडल अध्यक्ष मंडल बबलू दुबे एवं जिला अध्यक्ष शनि शुक्ला द्वारा सौम्या अग्रवाल मंडला आयुक्त एवं मनीष कुमार वर्मा जिला अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा गया

इस अवसर पर राजू शुक्ला जिला संगठन मंत्री सत्येंद्र सिंह जिला सचिव ज्ञानेंद्र यादव ब्लॉक अध्यक्ष अंगद मौर्या ब्लॉक अध्यक्ष लालचंद शुक्ला लोग मौजूद रहे

पुलिस टीम को प्रशंसा पत्र देकर किया सम्मानित

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महाराष्ट्र राज्य के जनपद बीड अन्तर्गत थाना शिरुर (कासर) में हत्या के प्रयास से सम्बंधित वांछित अभियुक्त सतीश उर्फ खोक्या निराल्या भोसले निवासी झापेवाड़ी क्षेत्र तहसील शिरुर (कासर) जनपद बीड राज्य महाराष्ट्र को कमिश्नरेट प्रयागराज के जोन गंगानगर एसओजी, सर्विलांस सेल की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा महाराष्ट्र पुलिस का सहयोग करते हुए 13/03/2025 को प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक बीड राज्य महाराष्ट्र द्वारा अभियुक्त सतीश उर्फ खोक्या निराल्या भोसले उपरोक्त को गिरफ्तार करने में एसओजी, सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा किये गये प्रयासों की प्रशंसा की गयी तथा प्रशंसा पत्र प्रदान कर शुभकामनाएं दी गयी थी। इसी क्रम में आज मंगलवार को पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत द्वारा एसओजी, सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा सराहनीय योगदान के लिए प्रशंसा करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उक्त पुलिस टीम को सम्मानित किया गया।

इलाहाबाद संग्रहालय में साहित्यिक गैलरी, नियमित कार्यक्रमों एवं आधुनिकीकरण को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय में मंडलायुक्त एवं प्रभारी निदेशक श्रीमती सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें संग्रहालय के विकास, गतिविधियों के विस्तार तथा जनसहभागिता बढ़ाने से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

सर्वप्रथम पुनर्नवीनीकृत सुमित्रानंदन पंत लिटरेरी गैलरी के उद्घाटन के संबंध में विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। इस गैलरी में प्रयागराज की समृद्ध साहित्यिक परंपरा को समर्पित करते हुए यहां के महान साहित्यकारों सुमित्रानंदन पंत, रामधारी सिंह दिनकर, हरिवंश राय बच्चन, फिराक गोरखपुरी, महादेवी वर्मा, मैत्रीशरण गुप्त एवं सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला से संबंधित पांडुलिपियाँ, निजी उपयोग की वस्तुएँ, सम्मान, पुरस्कार तथा अन्य साहित्यिक धरोहरों को सुव्यवस्थित रूप से प्रदर्शित किया जाएगा।

गैलरी में आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए ऑडियो-विजुअल माध्यम से इन साहित्यकारों के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे युवा पीढ़ी उन्हें निकटता से समझ सके। विशेष रूप से निराला पर आधारित एक विशिष्ट डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित किए जाने की योजना है, जो देश के अन्य किसी संग्रहालय में उपलब्ध नहीं है।

संग्रहालय की गतिविधियों को नियमित एवं आकर्षक बनाने के उद्देश्य से वार्षिक इवेंट कैलेंडर तैयार करने के निर्देश दिए गए। इसके अंतर्गत प्रत्येक माह न्यूनतम 4 शैक्षणिक, सांस्कृतिक अथवा साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सोशल मीडिया विशेषज्ञों की सेवाएँ लेने तथा विभिन्न प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया माध्यमों से नियमित कवरेज सुनिश्चित कराने को कहा गया, ताकि अधिकाधिक लोग संग्रहालय की गतिविधियों से जुड़ सकें।

विद्यालयों से आने वाले छात्रों एवं अन्य विजिटर्स की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से उनके अनुभवों को संग्रहालय की वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रदर्शित करने के भी निर्देश दिए गए। साथ ही छात्रों के लिए एक विशेष पैकेज तैयार करने का निर्णय लिया गया, जिसके अंतर्गत उन्हें संग्रहालय से संबंधित स्मृति-चिह्न प्रदान किए जाएंगे, जिससे उनका भ्रमण ज्ञानवर्धक होने के साथ-साथ स्मरणीय भी बन सके। आगामी 27 फरवरी को चन्द्र शेखर आजाद के शहादत दिवस तथा 28 फरवरी को संग्रहालय के स्थापना दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित करने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक के उपरांत मंडलायुक्त ने संग्रहालय परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया तथा प्रस्तावित लिफ्ट स्थापना हेतु चिन्हित स्थान का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अन्य प्रमुख संग्रहालयों से समन्वय स्थापित कर उनकी चयनित कलाकृतियों एवं धरोहरों के प्रदर्शन हेतु सहयोगात्मक प्रस्ताव तैयार करने को कहा तथा प्रदर्शनी कक्ष का निरीक्षण कर संभावित डिस्प्ले व्यवस्था पर चर्चा की।

संग्रहालय अतिथि गृह के जीर्णोद्धार के संबंध में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग से समन्वय स्थापित कर विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भ्रमण पर आए विद्यार्थियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया और संग्रहालय की शैक्षणिक उपयोगिता पर बल दिया।

कृषि विविधीकरण से किसानों की आय बढ़ेगी' : डॉ. वी.के. त्रिपाठी

कानपुर।

कृषि विविधीकरण अपनाकर पुष्पोत्पादन और सब्जी उत्पादन के माध्यम से किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। बागवानी में अंतः फसली खेती के तहत हल्दी, ड्रैगनफ्रूट, रसभरी के साथ गेंदा और ग्लैडियोलस जैसी फसलों से अतिरिक्त आमदनी संभव है। साथ ही जैविक तरीकों को अपनाकर लागत घटाई जा सकती है। यह बातें सोमवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित वैज्ञानिक सलाहकार समिति की समीक्षा बैठक में निदेशक प्रसार डॉ. वी.के. त्रिपाठी ने कही।

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति के निदेर्शानुसार सीएसए के कुलपति के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता निदेशक प्रसार डॉ. वी.के. त्रिपाठी ने की। उन्होंने कृषकों से सब्जी उत्पादन में रासायनिक कीटनाशकों के स्थान पर जैविक कीटनाशक, जैविक फफूंदनाशक, जीवामृत, घनजीवामृत, नीमास्त्र और पंचगव्य जैसे जैविक उत्पादों के उपयोग की सलाह दी। इससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी और उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

केंद्राध्यक्ष डॉ. के.के. सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए वर्ष 2025 में केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके बाद केंद्र के वैज्ञानिकों ने विषयवार प्रगति आख्या 2025 एवं कार्ययोजना 2026 का प्रस्तुतीकरण किया।

अमेठी में युवक की हत्या से हड़कंप

अमेठी।

अमेठी जिले के बाजार शुक्ल थाना क्षेत्र अंतर्गत कस्बे में ही एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि युवक की गला काटकर निर्मम हत्या की गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस लाश को कब्जे में लेकर जांच तथा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही में जुटी हुई है।

मृतक युवक की पहचान शाहिद (35) पुत्र शरीफ निवासी कस्बा बाजार शुक्ल के रूप में हुई है। शाहिद की लाश उसके घर से लगभग 1 किलोमीटर दूर इंटर कॉलेज रोड पर भारत गैस एजेंसी के पास सड़क के किनारे पड़ी ग्रामीणों ने देखी। इसके बाद पुलिस को सूचना की गई। बताया जा रहा है कि युवक ने प्रेम विवाह किया था। युवक के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है।

बाजार शुक्ल थाना क्षेत्र के थानाध्यक्ष विवेक कुमार वर्मा ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर तत्काल पुलिस पहुंच गई है। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुला लिया गया है। साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया चल रही है। अन्य जानकारी जुटाई जा रही है तथा लोगों से पूछताछ की जा रही है। बहुत ही जल्द घटना का खुलासा कर दिया जाएगा। घटना के संबंध में आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

वास्तविक स्थिति और अपेक्षाओं में असंतुलन से होता है तनाव : डॉ. अमरेश श्रीवास्तव

गोरखपुर।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में फ्रीडम फ्रॉम पॉवर्टी ट्रस्ट (इंडिया) एवं मानसिक शक्ति फाउंडेशन के सहयोग से मेन्टल हेल्थ चैलेंजेज एन्ड साइकोलॉजिकल वेल बीइंग इन हायर एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन्स विषय पर एक दिवसीय सिम्पोजियम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने किया। कार्यक्रम में बतौर विषय विशेषज्ञ मानसिक शक्ति फाउंडेशन के निदेशक एवं वेस्टर्न यूनिवर्सिटी (कनाडा) में प्रोफेसर एमेरिटस डॉ. अमरेश श्रीवास्तव, बी.आर.डी. मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के मनोरोग विभाग के प्रोफेसर एवं अध्यक्ष डॉ. तापस के. आइच, मेडिकल कॉलेज अयोध्या में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कुँवर वैभव एवं फ्रीडम फ्रॉम पॉवर्टी ट्रस्ट के उपाध्यक्ष हेमंत कुमार दीक्षित की उपस्थिति रही। इस दौरान व्याख्यान के साथ ही इंटरैक्शन सेशन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी शंकाओं का निवारण किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के बिना जीवन और शिक्षा की यात्रा सुचारु रूप से आगे नहीं बढ़ सकती।

मेन्टल हेल्थ ठीक करने की दिशा में विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। आज के प्रतिस्पर्धी वातावरण में विद्यार्थियों के लिए मानसिक संतुलन और भावनात्मक सुदृढ़ता अत्यंत आवश्यक है।

मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे सतत प्रयास न केवल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होंगे, बल्कि एक स्वस्थ, संवेदनशील और सशक्त शैक्षणिक वातावरण के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

बतौर रिसोर्स पर्सन उपस्थित मानसिक शक्ति फाउंडेशन के निदेशक एवं वेस्टर्न यूनिवर्सिटी (कनाडा) में प्रोफेसर एमेरिटस डॉ. अमरेश श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि जैसे हैं, वैसे ही स्वयं को स्वीकार करना मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम है। व्यक्ति की वास्तविक स्थिति और अपेक्षाओं में असंतुलन तनाव को जन्म देता है।

'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म पर रोक की मांग, यादव महासभा ने सौंपा

जौनपुर।

उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में अखिल भारतवर्षीय युवा यादव महासभा ने 'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। महासभा के पदाधिकारियों ने फिल्म पर रोक लगाने के लिए जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

जिलाध्यक्ष उमा राज यादव ने कहा कि यादव समाज का देश के सामाजिक, राजनीतिक और सैन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। किसी भी माध्यम से समाज की छवि को नकारात्मक रूप में प्रस्तुत करना स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने आशंका जताई कि यदि फिल्म में आपत्तिजनक या भ्रामक सामग्री हुई तो सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है।

महासभा ने मांग की कि संबंधित विभाग फिल्म की सामग्री की जांच कराएं और जांच पूरी होने तक इसके प्रदर्शन पर रोक लगाई जाए।

रोजगार और प्रतिस्पर्धा के लिए अत्यंत आवश्यक है डिजिटल दक्षता : कुलपति

गोरखपुर।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के सेंट्रल लाइब्रेरी और लावण्या क्लासेज एंड कंप्यूटर्स, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में केन्द्रीय ग्रंथालय के गांधी हाल में एक सप्ताह के डिजिटल साक्षरता संवर्धन कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलपति प्रो. पूनम टंडन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में 200 से अधिक विद्यार्थियों को निःशुल्क डिजिटल एवं कम्प्यूटर साक्षरता का व्यवहारिक और प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यक्रम के आरम्भ में विश्वविद्यालय ग्रंथालयी डा. बिभाष कुमार मिश्रा ने मंचस्थ अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि कुलपति के मार्गदर्शन और संरक्षण में केन्द्रीय ग्रंथालय में पहली बार इस प्रकार का डिजिटल साक्षरता संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों के कौशल विकास और कैरियर ग्रोथ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने का अवसर प्रदान करेगा।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल दक्षता रोजगार और प्रतिस्पर्धा के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाएगा और उन्हें रोजगार प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने इस पहल के लिए विश्वविद्यालय ग्रंथालयी डा. बिभाष कुमार मिश्रा तथा लावण्या क्लासेज एंड कम्प्यूटर इंस्टिच्यूट की डायरेक्टर प्रियंका जायसवाल एवं जायसवाल वूमेन्स क्लब, गोरखपुर की प्रेसिडेंट डा. स्वपन्ना जायसवाल की सराहना की।

एएनटीएफ ने ६४ लाख कीमत की हेरोइन के साथ तस्कर को दबोचा

अल्लापुर से खरीदकर धूमनगंज के अलग-अलग जगहों पर खपाता था आरोपित, साथी की तलाश में दबिश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक तस्कर को एएनटीएफ यूनिट प्रयागराज ने गिरफ्तार कर लिया है। उसे सप्लाई डिपो स्थित कहार गल्ला के पास से सोमवार रात पकड़ा गया। उसके पास से ३१५.४५ ग्राम हेरोइन बरामद की गई। जिसकी अनुमानित कीमत लगभग ६४ लाख रुपये बताई जाती है। गिरफ्तार आरोपित संदीप कुमार निवासी सुलेमसराय धूमनगंज के पास से दो मोबाइल फोन, २० जिपर थैली, एक स्कूटी व २,२६० रुपये नकद बरामद हुए हैं। पूछताछ में उसने बताया कि वह अल्लापुर से हेरोइन खरीदकर लाता था धूमनगंज में अलग-अलग जगहों पर बेंचता था। अब पुलिस टीम उसके साथी की तलाश में जगह-जगह दबिश दे रही है।

एएनटीएफ टीम को सोमवार रात पता चला कि मादक पदार्थों की तस्करी करने वाला एक बदमाश सप्लाई डिपो स्थित कहार गल्ला के पास पहुंचने वाला है। खबर मिलते ही कैंट पुलिस को खबर दी गई। इसके बाद एएनटीएफ टीम वैंष्ठट

पुलिस उनि सत्येन्द्र प्रधान प्रभारी एएनटीएफ, उनि मनीष कुमार, मुख्य आरक्षी सत्येश राय, राजेश यादव, आशीष यादव, नीरज पाण्डेय एवं उनि हरिमोहन कमलेश, जितेन्द्र बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर दी। कुछ ही देर में एक स्कूटी सवार आया, जिसे पुलिसकर्मियों ने रोकना चाहा, लेकिन वह भागने लगा। जिस पर दौड़ाकर उसे पकड़ लिया गया। उसकी तलाशी ली गई तो हेरोइन बरामद हुई।

कैंट थाने लाकर पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम संदीप कुमार निवासी सुलेमसराय, धूमनगंज बताया। उसने बताया कि उसका एक और साथी है, जो हेरोइन ले आता है। इसकी छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर रमन का पुरवा, मुंडेरा, सुलेमसराय, कंहईपुर, चौफटका समेत कई जगह पर बेचते हैं। इससे जो मुनाफा होता है, उसे आपस में बांट लेते हैं।

वाराणसी: होली से पहले शहर की सभी खराब स्ट्रीट लाइटों की होगी मरम्मत : महापौर

महापर्व होली से पहले दुरूस्त होंगे शहर के स्ट्रीट लाइट,त्योहार बाद शुरू होगा नाला सफाई अभियान

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी नगर निगम ने महापर्व होली से पहले शहर की सभी खराब स्ट्रीट लाइट की मरम्मत कराने का निर्णय लिया है । वहीं,भीषण गर्मी की आहट से पहले ही जल संकट से निपटने के लिए शहर के कुओं की सफाई का कार्य 31 मार्च तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इस अभियान में 55 कुओं की सफाई पूर्ण करा लिया गया है । जबकि 151 कुओं की सफाई की प्रकिया शुरू कर दी गई है । सोमवार को महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में मैदागिन स्थित टाउनहॉल भवन में आयोजित सदन (साधारण अधिवेशन) की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जनसमस्याओं के समाधान और विकास के रोडमैप पर आधारित इस साधारण अधिवेशन में अध्यक्षता करते हुए महापौर ने मानसून के पहले जलभराव की समस्या को जड़ से मिटाने के लिए होली बाद शहर के सभी छोटे-बड़े सभी नालों की तली झाड़ सफाई कराने का निर्देश दिया । पार्षद हनुमान प्रसाद ने गर्मी के मद्देनजर सीएसआर फंड से लगे वाटर कूलरों की 15 दिन में मरम्मत और नए स्थानों के चयन का प्रस्ताव रखा, साथ ही पीडब्ल्यूडी और डूडा के कार्यों की गुणवत्ता जांच के लिए टीम बनाने की मांग की। इस पर उपसभापति नरसिंह दास व पार्षद सुरेश कुमार चौरसिया ने प्रस्ताव पर 100 प्रतिशत सरचार्ज माफी का लाभ 24 फरवरी से हर वार्ड में प्रचारित कराने का निर्णय लिया । सुरेश चौरसिया ने मांग की कि एकीकृत बिल से पूर्व के मामलों में 2023-24 से ही बिल देय हो और पीली कार्ड के नाम पर जनता को परेशान न किया जाए। इसी तरह पार्षद सीमा वर्मा ने विरदोपुर गिरी नगर में सार्वजनिक शौचालय निर्माण और सुदामापुर हनुमान मंदिर के पास पेयजल संकट दूर करने के लिए 'मिनी नलकूप' लगाने की मांग की। पार्षद मदन मोहन दूबे ने पूर्व में लगाए गए पेड़ों की स्थिति, अमृत योजना के अंतर्गत ट्रांस-वरुणा में गृह कनेक्शन की प्रगति और निगम के दस्तावेजों के डिजिटलाइजेशन पर रिपोर्ट तलब की। वहीं, उद्यान अधीक्षक द्वारा सदन को गत वर्ष लगाए गए पौधे में सूख गए पौधों की स्पष्ट जानकारी न देने पर महापौर ने नाराजगी जताई।

लखनऊ सड़क हादसे में चार मृतकों की शिनाख्त, बस चालक पकड़ा गया

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोसाईगंज थाना क्षेत्र में सोमवार शाम को एक डबल डेकर स्लीपर बस सड़क पर पलटने से पांच यात्रियों की मौत हो गई है। पुलिस ने चार मृतकों की पहचान कर ली है। अभी एक युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। हादसे में करीब 45 लोग घायल हुए हैं। बस बिहार के मोतिहारी जा रही थी। घटना की जानकारी पर पुलिस के तमाम अधिकारी मौके पर पहुंचकर घायलों का हालचाल लिया।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) निपुण अग्रवाल ने बताया कि इस हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है। इनकी पहचान बीरेंद्र (30), अंजली (8), प्रियांशु (15), बालक (6) के रूप में हुई हैं। एक 30 वर्षीय युवक की अभी पहचान नहीं हो पाई है। घायलों में 31 लोगों का इलाज एपेक्स ट्रामा सेंटर पीजीआई और 14 का केजीएमयू ट्रामा सेंटर में चल रहा है।

स्कोडा की नई रणनीति, काइलैक से सीएनजी और ईवी में बदलाव

लॉन्च होने के बाद काइलैक की बिक्री 50,000 यूनिट से अधिक हो चुकी

नई दिल्ली। स्कोडा आटो इंडिया की कॉम्पैक्ट एसयूवी काइलैक ब्रांड के विकास का प्रमुख आधार बन चुकी है। 2025 की शुरुआत में लॉन्च होने के बाद काइलैक की बिक्री 50,000 यूनिट से अधिक हो चुकी है और 2026 में भी इसी गति के बनाए रखने की संभावना है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार, काइलैक अब कंपनी की कुल बिक्री में लगभग 60 फीसदी योगदान देती है। समूह स्तर पर स्कोडा आटो वोक्सवेगन इं डिया की कुल बिक्री में इस श्रेणी का 40 फीसदी हिस्सा है। कंपनी फैक्टरी-फिटेड सीएनजी मॉडल पर सक्रिय रूप से काम कर रही है। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट का लगभग 20 फीसदी हिस्सा पहले से ही सीएनजी पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि थर्ड-पार्टी रेट्रोफिट के विकल्प पर विचार नहीं किया जाएगा और कोई भी सीएनजी पेशकश फैक्टरी में तैयार होगी। हालांकि लॉन्च की सटीक समय-सीमा नहीं बताई गई, लेकिन संकेत दिए गए हैं कि सीएनजी वेरिएंट जल्द ही उपलब्ध हो सकता है। ईवी के मामले में कंपनी सतर्क दृष्टिकोण अपनाए हुए है। उनका कहना है कि भारत में मुख्य खिलाड़ी बनने के लिए ईवी पोर्टफोलियो आवश्यक है। फोकस भारत में बनी ईवी पर है, जिसमें निर्यात की संभावना भी शामिल है। यूरोपीय ईवी का सीमित आयात रणनीतिक रूप

से उपयुक्त नहीं माना जा रहा है। आगामी कॉर्पोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी फेज-3 मानदंड उत्सर्जन लक्ष्यों को कड़ा करेंगे। ऐसे में सीएनजी और ईवी में विस्तार अब केवल विकल्प नहीं, बल्कि व्यापक बाजार वाली श्रेणियों में बिक्री बढ़ने पर उत्सर्जन संतुलन के लिए आवश्यक बन गया है।

रूस के तेल पर प्रतिबंधों का असर, भारत का कच्चा तेल आयात बदलते संतुलन की ओर

मुंबई ।

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात धीरे-धीरे घट रहा है। फरवरी 2026 की शुरुआत में रोजाना लगभग 1.09 मिलियन बैरल तेल रूस से आया, जो जनवरी के 1.22 मिलियन बैरल से 10 फीसदी कम है। शिपिंग डेटा और विशेषज्ञों के अनुसार मार्च में यह और घटकर 8-10 लाख बैरल प्रतिदिन रह सकता है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रूस से डिस्काउंट पर बड़ी मात्रा में तेल खरीदा था, लेकिन अब वह दौर धीरे-धीरे स्थिर हो रहा है। अमेरिका और यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के कारण रूस से आयात बढ़ाना सीमित है। रूस से घटती सप्लाई की जगह मध्य पूर्व के देश भर रहे हैं। सऊदी अरब फरवरी में भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बन गया है, जहां से रोजाना 1-1.1 मिलियन बैरल तेल मिलने की उम्मीद है। महीने के आंकड़े अभी तक 1.4 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक जा चुके हैं।

मार्च की शुरुआत में थोड़ी कमी की संभावना है। इसके बाद रूस और इराक क्रमशः सप्लाई देंगे। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने इराक को पछाड़कर भारत के कुल आयात का लगभग 40 फीसदी हिस्सा ले लिया था, लेकिन अब यह हिस्सा घट रहा है। फरवरी के पहले 18 दिनों में भारत का औसत आयात 4.85 मिलियन बैरल प्रतिदिन रहा, जो जनवरी के 5.25 मिलियन बैरल से 8 फीसदी कम है। विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले महीनों में उतार-चढ़ाव केवल कीमतों से नहीं बल्कि सैंक्शन, शिपिंग और लॉजिस्टिक्स से आएगा।

होली पर 80 हजार करोड़ के कारोबार की उम्मीद, देसी उत्पादों की धूम

- पिछले साल के 60,000 करोड़ रुपए के मुकाबले लगभग 25 फीसदी ज्यादा

मुंबई ।

इस साल होली देशभर के व्यापारियों के लिए खुशखबरी लेकर आई है। कॉन्फेडरेशन आफ आल इं डिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार इस बार त्योहार के मौके पर 80,000 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार होने का अनुमान है, जो पिछले साल के 60,000 करोड़ रुपए के मुकाबले लगभग 25 फीसदी ज्यादा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल अभियान का असर अब बाजारों में साफ नजर आ रहा है। अब होली के रंग, पिचकारियां और सजावटी सामान स्थानीय कारीगरों और स्वदेशी उत्पादों से भरे बाजारों में मिल रहे हैं। ग्राहकों में सेहत और त्वचा को लेकर जागरूकता बढ़ने से केमिकल रंगों की बजाय हर्बल और प्राकृतिक रंगों की मांग तेजी से बढ़ी है। बच्चों के लिए स्पाइडर-मैन और छोटा भीम वाली पिचकारियां खास आकर्षण बनी हैं। कपड़ों में सफेद टी-शर्ट, कुर्ता-पायजामा और प्रिंटेड टी-शर्ट की बिक्री बढ़ी है। राजधानी दिल्ली में सबसे अधिक व्यापारिक गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। कैट के अनुसार अकेले दिल्ली में 15,000 करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है। मिठाई की दुकानों पर गुजिया की मांग चरम पर है, और ड्राई फ्रूट्स, गिफ्ट आइटम्स और एफएमसीजी उत्पादों की बिक्री में भी तेजी है। त्योहार के दौरान सर्विस और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर भी लाभान्वित हुआ है। दिल्ली में 3,000 से ज्यादा सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, और बैंक्वेट हॉल, फार्महाउस और बड़े रेस्टोरेंट लगभग फुल बुक हैं।

बिटकॉइन 64,300 डॉलर पर फिसला, क्रिप्टो मार्केट में गिरावट

- 65,000 डॉलर के नीचे लुढ़का भाव

मुंबई । दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन 65,000 डॉलर के अहम स्तर से नीचे फिसलकर लगभग 64,300 डॉलर पर आ गई। यह पिछले आठ महीनों का सबसे निचला स्तर है। काइन मार्केट कैप के आंकड़ों के अनुसार,

बिटकॉइन में गिरावट लगभग 4.8 फीसदी दर्ज की गई। इसी तरह, दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथे रियम 5 फीसदी से अधिक टूट गई। इसके अलावा, प्रमुख टोकन जैसे एक्सआरपी और बाइनेंस काइन में भी 5 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई। स्टेबलकॉइन टेथर लगभग 1 डॉलर पर स्थिर रहा। विश्लेषकों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा घोषित 15 फीसदी ग्लोबल टैरिफ ने निवेशकों को जोखिम संपत्तियों से दूर रहने पर मजबूर किया। इससे पहले यूएस सुप्रीम कोर्ट ने आईईईपीए के तहत लगाए गए पुराने टैरिफ को रद्द किया था, लेकिन कुछ ही घंटों में नए शुल्क लागू कर दिए गए। इस अप्रत्याशित कदम ने बाजार में अस्थिरता बढ़ा दी। बाजार में जोखिम से बचाव की रणनीति अपनाते हुए निवेशक अब सोने जैसी सुरक्षित संपत्तियों की ओर झुक रहे हैं, जहां लगभग 2 फीसदी की तेजी देखी गई। मुद्रेक्स के क्वांट विश्लेषकों का कहना है कि क्रिप्टो ईटीएफ से लगातार निकासी भी बिकवाली को तेज कर रही है। इस वजह से सिर्फ बिटकॉइन ही नहीं, बल्कि पूरी क्रिप्टो इंडस्ट्री प्रभावित हुई। कुल क्रिप्टो मार्केट कैप घटकर लगभग 2.23 ट्रिलियन डॉलर रह गया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 479, निफ्टी 141 अंक उछला

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। सकारात्मक वैश्विक संकेत, विदेशी निवेशकों की वापसी और बैंकिंग सेक्टर में मजबूती से भी बाजार को समर्थन मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स479.95 अंकों की बढ़त के साथ ही 83,294.66 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 141.75 अंक बढ़कर 25,713 पर बंद हुआ। आज । निफ्टी मिडकैप 0.43 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि एनएसई स्मॉलकैप 0.29 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ आज निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी मिडस्मॉल हेल्थकेयर शेयरों में भी तेजी रही। वहीं निफ्टी आईटी में सबसे अधिक गिरावट रही। इसके अलावा निफ्टी केमिकल्स इंडेक्स भी फिसला।

सेंसेक्स के शेयरों की बात करें तो अदाणी पोर्ट्स, कोटक बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावरग्रिड, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही और ये

सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों की सूची में शामिल रहे। वहीं, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व और आईटीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही।

इस तरह, भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों में लगातार दूसरे सत्र में बढ़त रही। पीएसयू बैंक और हेल्थकेयर शेयरों में तेजी से बाजार धारणा मजबूत हुई । इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति के खिलाफ आये अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इससे पहले सुबह बाजार की मजबूत शुरुआत हुई। संबह सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की बढ़त के साथ 82,906 पर खुला। वहीं निफ्टी भी मजबूती के साथ 25,678 अंक पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 149.10 अंक की बढ़त के साथ 25,720 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं पिछले दिन शुक्रवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 316.57 अंक उछलकर 82,814.71 अंक पर बंद हुआ था, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.90 अंक की बढ़त के साथ 25,571.25 पर बंद हुआ था।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में 590 करोड़ की धोखाधड़ी, शेयर 20 फीसदी तक लुढ़के

- निवेशकों के डूबे 14,000 करोड़, बैंक का मार्केट कैप घटकर 57,485.60 करोड़ रह गया

मुंबई।

चंडीगढ़ स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक शाखा में लगभग 590 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी सामने आई है। बैंक के अनुसार शाखा के कुछ कर्मचारी हरियाणा सरकार से जुड़े खातों में बिना अनुमति के लेनदेन कर रहे थे, जिससे जमा राशि में बड़ा अंतर उत्पन्न हुआ। यह राशि बैंक की तिमाही कमाई से भी अधिक बताई जा रही है। इस घटना से बैंक के शेयरों और निवेशकों को बड़ा झटका लगा। सोमवार को एनएसई पर शेयर 20 फीसदी तक गिरकर 67 रुपए के लोअर सर्किट पर पहुंच गए। बैंक का मार्केट कैप 71,854.85 करोड़ से घटकर 57,485.60 करोड़ रुपए रह गया, यानी एक ही दिन में लगभग 14,369 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। यह मार्च 2020 के बाद बैंक के शेयरों में सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। धोखाधड़ी तब उजागर हुई जब हरियाणा सरकार ने अपने खातों को बंद कर राशि अन्य बैंक में ट्रांसफर करने का अनुरोध किया। मिलान प्रक्रिया के दौरान बैंक रिकॉर्ड और सरकारी विभागों द्वारा बताई गई राशि में अंतर पाया गया। 18 फरवरी 2026 के बाद अन्य सरकारी संस्थानों से संपर्क करने पर और विसंगतियां सामने आईं।

बैंक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और एक स्वतंत्र बाहरी एजेंसी से फोरेंसिक ऑडिट शुरू किया। दोषियों के खिलाफ अनुशासनात्मक, दीवानी और आपराधिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई। संदिग्ध खातों में जमा रकम पर रोक लगाने के लिए संबंधित बैंकों से संपर्क किया गया। बैंक का कहना है कि मामला केवल चंडीगढ़ शाखा और कुछ सरकारी खातों तक सीमित है, अन्य ग्राहकों पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ा। निवेशक अब जांच की प्रगति और बैंक की अगली रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

जीडीपी का नया आधार वर्ष, डब्ल्यूपीआई को लेकर मतभेद

- वास्तविक वृद्धि के आकलन में गड़बड़ी की आशंका

नई दिल्ली । भारत इस शुक्रवार से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का आधार वर्ष 2011-12 से बदलकर 2022-23 करने जा रहा है। इस बदलाव का उद्देश्य राष्ट्रीय आय के आंकड़ों को अधिक समकालीन, सटीक और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना है। हालांकि, अर्थशास्त्रियों के बीच इस बात पर मतभेद है कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) का आधार वर्ष 2011-12 ही बने रहने से वास्तविक (रियल) वृद्धि के अनुमान प्रभावित हो सकते हैं या नहीं। सांख्यिकी मंत्रालय ने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) का आधार 2012 से बदलकर 2024 कर दिया है, लेकिन डब्ल्यूपीआई का आधार वर्ष अब तक संशोधित नहीं हुआ है। डब्ल्यूपीआई के आंकड़े वाणिज्य मंत्रालय संकलित करता है और राष्ट्रीय लेखा में इसका उपयोग विभिन्न उद्योगों के उत्पादन को डिफ्लेट करने के लिए किया जाता है। बाजार के जानकारों ने डब्ल्यूपीआई को राष्ट्रीय लेखा की सबसे कमजोर कड़ी बताया है। उनका कहना है कि भले ही सूचकांक की टोकरी और भार न बदले जाएं, आधार वर्ष का अद्यतन आवश्यक है ताकि नॉमिनल और रियल जीडीपी के बीच विसंगतियां न पैदा हों। उन्होंने सीपीआई और डब्ल्यूपीआई के रुझानों में तालमेल की कमी पर भी चिंता जताई। वहीं भारत के एक सांख्यिकीविद् का मानना है कि डब्ल्यूपीआई का उपयोग उद्योग-विशेष स्तर पर किया जाता है और इसका प्रभाव समग्र जीडीपी पर सीमित हो सकता है। उनके अनुसार, अद्यतन डेटा होना बेहतर है, लेकिन स्थिति उतनी गंभीर नहीं है जितनी आउटडेटेड सीपीआई के मामले में होती। नई जीडीपी श्रृंखला में विनिर्माण क्षेत्र के लिए डबल डिफ्लेशन पद्धति लागू की जा सकती है, जिससे उत्पादन और लागत को अलग-अलग समायोजित कर अधिक सटीक वास्तविक वृद्धि का अनुमान लगाया जा सके।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय 5 पैसे की बढ़त के साथ ही 90.94 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 21 पैसे उछलकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.73 पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क को बढ़ाकर 15 फीसदी करने की आशंकाओं के बीच डॉलर के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.76 पर खुला और फिर 90.73 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 26 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.94 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ 97.47 पर रहा।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ठाणे में 18 एकड़ की नई आवासीय परियोजना बनाएगा

भूस्वामी के साथ की साझेदारी, 7500 करोड़ रुपए राजस्व का लक्ष्य

नई दिल्ली। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने मुंबई क्षेत्र में अपने विस्तार के तहत ठाणे में 18 एकड़ के भूखंड के विकास के लिए संयुक्त विकास समझौता (जेडीए) किया है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह परियोजना मुख्य रूप से आवासीय होगी और इससे 7,500 करोड़ रुपए से अधिक का संभावित राजस्व अर्जित होने की उम्मीद है। हालांकि, कंपनी ने भूस्वामी का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। गोदरेज प्रॉपर्टीज रणनीतिक रूप से जमीन की सीधी खरीद और भूस्वामी के साथ संयुक्त विकास दोनों मॉडल के माध्यम से परियोजनाओं का विकास करती है। कंपनी का कहना है कि उच्च संभावनाओं वाले सूक्ष्म बाजारों में विस्तार उसकी वृद्धि रणनीति का अहम हिस्सा है और इसका उद्देश्य मकान खरीदारों के लिए दीर्घकालिक मूल्य निर्माण करना है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि ठाणे मुंबई महानगर क्षेत्र का सबसे आकर्षक स्थान बनकर उभरा है। यह परियोजना ठाणे में कंपनी की चौथी परियोजना होगी, जिससे क्षेत्र में उसकी उपस्थिति और मजबूत होगी। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों में कंपनी की बिक्री बुकिंग 25 फीसदी बढ़कर 24,008 करोड़ रुपए हुई।

टैरिफ बढ़ोतरी से सोना और चांदी में जोरदार उछाल

- सोना 1.60 लाख पार, चांदी भी 2,63,061 रुपए किलो

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा टैरिफ बढ़ाने के फैसले के बाद सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ी है, जिसका असर सोना और चांदी के वायदा भाव पर साफ दिखाई दे रहा है। घरेलू बाजार में दोनों कीमती धातुओं ने आज तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत की। मल्टी कमो डिटी एक्सचेंज आफ इं डिया (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 1,582 रुपये की तेजी के साथ 1,58,458 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,56,876 रुपये था। फिलहाल सोना 3,173 रुपये की बढ़त के साथ 1,60,049 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान इसने 1,60,600 रुपये का दिन का उच्च स्तर और 1,58,117 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल सोना 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुका है। चांदी के मार्च वायदा कॉन्ट्रैक्ट में भी मजबूती रही। यह 10,117 रुपये की तेजी के साथ 2,63,061 रुपये पर खुला। बाद में 14,729 रुपये की बढ़त के साथ 2,67,673 रुपये पर कारोबार करता दिखा। चांदी ने दिन में 2,67,929 रुपये का उच्च और 2,63,061 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस वर्ष चांदी 4,20,048 रुपये प्रति किलो के शिखर तक पहुंच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मजबूती का रुख है। कॉमेक्स पर सोना 5,128.80 डॉलर प्रति औंस पर खुला और बाद में 5,188.20 डॉलर तक पहुंच गया। वहीं चांदी 84.60 डॉलर पर खुलकर 87.11 डॉलर प्रति औंस तक चढ़ी। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक व्यापार तनाव और टैरिफ बढ़ोतरी से निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे सोना-चांदी को मजबूत समर्थन मिल रहा है।

आरबीआई बैठक में सीतारमण ने बैंकों को मुख्य व्यवसाय पर ध्यान देने का सुझाव दिया

अमेरिकी टैरिफ में बदलाव के प्रभाव पर तुरंत टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी

नई दिल्ली । नई दिल्ली में स्थित आरबीआई भवन में रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की 61वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा मौजूद थे। सीतारमण ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ में बदलाव के प्रभाव पर तुरंत टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने बताया कि वाणिज्य मंत्री हालात की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि बैंकों को अपने मुख्य व्यवसाय पर ध्यान देना चाहिए और बीमा उत्पादों की गलत बिक्री से बचना चाहिए। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि सोने-चांदी का आयात चिंताजनक स्तर पर नहीं है और रिजर्व बैंक इस पर नजर रख रहा है। सोने की कीमतों में बढ़ोतरी का कारण वैश्विक केंद्रीय बैंकों की भारी खरीदारी है। आरबीआई गवर्नर ने आश्वासन दिया कि सोने के आयात को लेकर कोई खास चिंता नहीं है। बाहरी क्षेत्र मजबूत है और चालू खाता घाटा नियंत्रण योग्य स्तर पर है, जिससे अर्थव्यवस्था स्थिर बनी हुई है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने धोखाधड़ी के आरोपों से किया इनकार

हरियाणा सरकार ने सरकारी कामकाज से अस्थायी रूप से समिति से किया बाहर

नई दिल्ली । हरियाणा सरकार ने एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को सरकारी कामकाज से अस्थायी रूप से समिति से बाहर (डी-एम्पैनल्ड) कर दिया है। यह कदम दोनों बैंकों पर धोखाधड़ी के आरोपों के मद्देनजर उठाया गया। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने कहा कि उसके द्वारा खोले गए सरकारी खाते सभी आवश्यक केवाईसी जांच और प्राधिकरण प्रक्रिया के अनुरूप थे। बैंक ने यह भी कहा कि उसके पास पूर्ण ऑडिट ट्रेल और सभी दस्तावेज मौजूद हैं, जिन्हें संबंधित सरकारी विभाग को उपलब्ध करा दिया गया है। सरकारी खाते में पहले 25 करोड़ रुपये की राशि एक बड़े निजी बैंक से स्थानांतरित की गई। इसके बाद आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से 47 करोड़ रुपये 14 लेनदेन के माध्यम से प्राप्त हुए। बैंक ने कहा कि सभी लेनदेन सरकारी विभाग के निर्देशानुसार और सामान्य कारोबारी प्रक्रिया के तहत किए गए। बैंक ने बताया कि खाता 15 जनवरी 2026 को बंद कर दिया गया और शेष राशि मूल बैंक को ब्याज सहित लौटा दी गई। आंतरिक जांच जारी है और कुछ कर्मचारियों को ड्यूटी से हटाया गया। बैंक ने कहा कि प्रारंभिक समीक्षा में किसी वित्तीय नुकसान या धोखाधड़ी का संकेत नहीं मिला। 17 फरवरी 2026 तक बैंक में हरियाणा सरकार की जमा राशि 735 करोड़ रुपये थी, जो 21 फरवरी तक घटकर 538 करोड़ रुपये रह गई। बैंक ने पारदर्शिता और सरकारी धन की सुरक्षा पर जोर देते हुए पुनः समिति में शामिल होने के लिए सरकार और अन्य हितधारकों के साथ बातचीत जारी रखी है।

क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी का आईपीओ खुला

- मीडियम-लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए अवसर

नई दिल्ली । क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस का आईपीओ सोमवार, 23 फरवरी से खुल गया है और यह 25 फरवरी तक खुला रहेगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली 20 फरवरी को लगी थी। आईपीओ का प्राइस बैंड 1,000 से 1,053 रुपए प्रति शेयर रखा गया है। निवेशक कम से कम 14 शेयरों का एक लॉट खरीद सकते हैं, जिससे एक लॉट की कीमत लगभग 14,742 रुपए होगी। शेयर 2 मार्च 2026 को एनएसई और बीएसई पर लिस्ट होने की संभावना है। कंपनी कुल 3,100 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखती है। इसमें 1,200 करोड़ रुपए का फ्रेश इश्यू शामिल है, जिसके तहत लगभग 1.14 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 1,900 करोड़ रुपए का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) होगा, जिसमें प्रमोटर बीजीटीएफ वन होल्डिंग्स और केएमपीआईएनसी एलएलपी अपने शेयर बेचेंगे।

टी20 विश्व कप: टी20 विश्वकप के सुपरआठ में आज होगा इंग्लैंड और पाकिस्तान का मुकाबला

पल्लीकेली (एजेंसी)। इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीम आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-आठ में मंगलवार को आमने-सामने होंगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। इंग्लैंड ने अपने पहले मुकाबले में मेजबान श्रीलंका को हराया है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं पाकिस्तान की टीम का पहला मुकाबला न्यूलीलैंड से बारिश के कारण नहीं हो पाया था। अब तक इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है।ऐसे में वह खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। कोलंबो की पिच से धीमे गेंदबाजों को सहायता मिलने की उम्मीद है। पहले ही मैच में श्रीलंका पर 51 रनों की जीत से इंग्लैंड का रन रेट भी बेहतर हुआ है और वह ग्रुप में शीर्ष पर है।

इंग्लैंड को हालातों का भी लाभ मिले। उसने हाल ही में इसी जगह पर तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेला था। वहीं सुपर 8 मैच में श्रीलंका को हराया था, जिससे उन्हें मुकाबले से पहले मनोवैज्ञानिक बढ़त मिली है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान टीम की बल्लेबाजी बेहद कमजोर है, अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम अब तक असफल रहे हैं। साहिबजादा फरहान के अलावा एक भी बल्लेबाज फार्म में नहीं है। पाक टीम उस्मान तारिक सहित अपने धीमे स्पिनरों के जरिये इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने का प्रयास करेगी। टीम के पास उस्मान के अलाव सैम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे गेंदबाज हैं।

ये पाकिस्तानी गेंदबाज इंग्लैंड की बल्लेबाजों को अपनी फिरकी में फंसाने का पूरा प्रयास करेंगे। खेल के आखिरी स्टेज में पिच और धीमी होने की संभावना है। गेंदबाजों के पक्ष में हालात होने के कारण इस मुकाबले में स्पिन मैच का परिणाम तय करेंगे।

अब तक के आंकड़ों में इंग्लैंड की टीम हावी रही है। दोनो के बीच अब तक 31 मुकाबले हुए हैं। इसमें से इंग्लैंड ने 31 जबकि पाक ने केवल 9 मैच ही जीते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैंटन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल सॉल्ट, जैकब बेथेल, सैम करन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टंग, ल्यूक वुड।

पाकिस्तान: सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब,

शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

पाक स्पिनर तारिक के एक्शन को लेकर दो खेमों में बंटे दिग्गज, अंपायर चौधरी ने भी उठाये सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक अपनी विवादस्पद गेंदबाजी के कारण निशाने पर हैं। तारिक गेंदबाजी के दौरान ही बीच में रुक जाते हैं जिससे बल्लेबाज संशय में फंस जाते हैं। उनके गेंदबाजी एक्शन पर कई दिग्गज क्रिकेटरों ने सवाल उठाये हैं हालांकि अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस गेंदबाज पर कोई कार्रवाई नहीं की है। ऐसे में क्रिकेट जगत दो गुटों में बंट गया है। एक का मानना है कि तारिक की गेंदबाजी जादुई है वहीं दूसरे गुट का मानना है जिस प्रकार से ये गेंदबाज पूरी बांह वाली टी शर्ट पहनकर गेंदबाजी कर रहा है उसमें कुछ गड़बड़ है। ऐसे में आईसीस नॉकआउट मुकाबलों से पहले आईसीसी को इस गेंदबाज के एक्शन की जांच करनी चाहिये।

अंपायर अनिल चौधरी ने भी इस स्पिनर के एक्शन पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर वह पूरी बांह वाली टी-शर्ट ही क्यों पहने रहता है? साथ ही कहा कि तारिक का मैदान पर और मैदान के बाहर हमेशा फुल टी-शर्ट पहनना समझ से परे है। इसके पीछे कुछ राज है। साथ ही कहा, 'जब कोई गेंदबाज भीषण गर्मी में भी अपनी आस्तीन नीचे नहीं करता और अभ्यास सत्र में भी हाफ टी-शर्ट पहनने से बच है, तो मन में आशंका होना स्वाभावि है। वह अपनी कोहनी के पास से क छुपाना चाहता है। हमने पहले भी देख है कि संदिग्ध एक्शन वाले गेंदबा कोहनी के मुड़ाव को छिपाने के लि पूरी बांह की टी शर्ट पहनने रहे ह चौधरी के सोशल मीडिया पर उठाये इ सवाल के बाद पाक स्पिनर के एक्श को लेकर बहस तेज हो वहीं ए दिग्गज पूर्व विकेटकीपर ने कहा कि इ गेंदबाज का बचाव करते हुए कहा कि उसकी गेंदबाजी में जो विविधता है, लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट देखने को मिली है. उन्होंने कह 'उनकी गेंद को विकेट के पीछे देखना काफी अच्छा अनुभवी है। जिस तरह से फ्लाइट देते हैं अ अचानक गेंद को तेज़ी से टर्न कराते वो काबिले-तारीफ है। अंपायरों सबूतों पर बात करनी चाहिए, सि कपड़ों पर नहीं। इस बार पाक के सुप 8 में पहुंचने में तारिक की अह भूमिका रही है। उन्होंने अहम मौकों बड़े विकेट लेकर अपनी टीम को जी दिलाई है। इस गेंदबाज ने अभी त किसी भी बायोमैकेनिकल टेस्ट अपनी कोहनी की जांच नहीं करायी ऐसे में अगर जांच में उनकी कोहनी 1 डिग्री से अधिक मुड़ती दिखी तो उन प्रतिबंध लगना तय है।

भारत और जिम्बाब्वे में विश्वकप फाइनल देखना चाहते हैं द्रविड़

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के अनुसार भारतीय टीम विश्वकप फाइनल में पहुंचने की प्रबल दावेदार है। द्रविड़ के अनुसार इस टूर्नामेंट में अब तक भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। सबसे अधिक सकारात्मक बात ये है कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर रही है। टीम में गहरायी है और उसका हर खिलाड़ी मैच का रुख मोड़ सकता है। साथ ही कहा कि दूसरी टीम के तौर पर अगर जिम्बाब्वे से फाइनल में भारत का मुकाबला होता है तो उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि जिम्बाब्वे ने इस बार काफी अच्छा खेल दिखाया है और वह भी फाइनल में खेलने की दावेदार बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को अपनी मैच योजनाओं पर बने रहना चाहिए।

द्रविड़ ने से कहा, 'मुझे लगता है कि हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं हैं। हमारे पास टीम में गहराई है। तो आप उम्मीद कर सकते हैं कि यह गहराई निखरकर सामने आएगी। टी20 क्रिकेट में कुछ भी तय नहीं होता है। यह खेल का सबसे अस्थिर फॉर्मेट है, और किसी भी दिन, जैसा मैंने कोच के रूप में भी सीखा है, आप हार सकते हैं। इसलिए अपनी योजनाओं रहो, जो कर सकते हो करो और अच्छे की उम्मीद करो,।' टी20 विश्वकप में इस बार जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप मैच में जिस प्रकार से हराया है,उससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इसके बाद उसने श्रीलंका को भी हराया। द्रविड़ ने कहा, 'अगर यह जिम्बाब्वे फाइनल में पहुंचता है तो उसके क्रिकेट के लिए ये अच्छा अनुभव होगा। अगर जिम्बाब्वे फाइनल में पहुंचता है तो यह काफी अच्छा होगा। मैं चाहूंगा कि भारत के साथ कोई छोटी टीम भी फाइनल में पहुंचे। यह बहुत अच्छा होगा।' द्रविड़ ने कहा कि इस बार एसोसिएट देशों ने भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर सभी टेस्ट देशों को कड़ी टक्कर दी है। पाकिस्तान को नीदरलैंड्स से जबकि भारत को अमेरिका ने कड़ी टक्कर दी। उन्होंने कहा कि इस बार जिस प्रकार छोटी टीमों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की बड़ी टीमों को अच्छी चुनौती दी उससे मुकाबलों का रोमांच बढ़ गया है। जिस प्रकार से इन टीमों ने खेला है,उससे मुझे काफी अच्छा लगा। इससे एसोसिएट देशों की प्रतिभा सामने आ रही है। इन सभी टीमों ने अच्छी अच्छा खेला है हालांकि मामुली अंतर से ये सुपर-8 में क्वालिफाई न कर पायी हैं पर भविष्य इनका काफी अच्छा है। इन टीमों के पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं।

टी20 विश्व कप: दक्षिण अफ्रीका से शर्मनाक हार के बाद चेन्नई पहुंची टीम इंडिया, अब करो या मरो का मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम सोमवार को चेन्नई पहुंच गई। टीम 26 फरवरी को एमए चिदंबरम स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 के अपने दूसरे मैच के लिए चेन्नई में तैनात है। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम को रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के पहले सुपर 8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा।

इस बड़ी हार के साथ ही भारत को आईसीसी क्रिकेट के सभी श्वेत-गेंद प्रारूपों में 18 मैचों में पहली हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2023 विश्व कप के फाइनल में भी भारत को इसी मैदान - नरेंद्र मोदी स्टेडियम - पर ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। टी20

अंतरराष्ट्रीय मैचों में रनों के अंतर से यह भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार थी। इससे पहले 2019 में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ 80 रनों की हार हुई थी। टी20 विश्व कप के इतिहास में भारत को अपनी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

मैच की बात करें तो, डेविड मिलर (63) और देवाल्ड ब्रेविस (45) की चौथी विकेट के लिए शानदार 97 रनों की साझेदारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवरों में 187/7 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने तेज गति से खेलते हुए नाबाद 44 रन बनाए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह (2/28), जसप्रीत बुमराह (3/15), वरुण चक्रवर्ती (1/47) और शिवम दुबे (1/32) ने विकेट लिए। 188 रनों का बचाव करते हुए दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। भारतीय बल्लेबाजों में से कोई भी अर्धशतक नहीं बना सका। शिवम दुबे ने 42 रन बनाकर सर्वोच्च स्कोर किया और भारत ने मौजूदा चैंपियन को 18.5 ओवरों में मात्र 111 रनों पर ऑल आउट कर दिया और भारतीय टीम को 76 रनों से हरा दिया।

भारत के लिए अर्शदीप सिंह (2/28), जसप्रीत बुमराह (3/15), वरुण चक्रवर्ती (1/47) और शिवम दुबे (1/32) ने विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान एडेन मार्कराम (1/5), मार्को जानसेन (4/22), केशव महाराज (3/24) और कॉर्बिन बॉश (2/12) ने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया।

अब हमारा लक्ष्य टी20 विश्वकप जीतना : मंधाना

केनबरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली सफलता से टीम का मनोबल बढ़ा है और अब उसका लक्ष्य आगामी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट जीतना है। महिला टी20 विश्व कप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से पांच जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। मंधान ने कहा है टीम काफी अच्छा खेल रही है और उसकी सभी खिलाड़ी लय में हैं। टीम ने जिस प्रकार से एकदिवसीय विश्वकप जीता था, उसी तर्ज पर अब वह टी20 विश्वकप जीतना चाहती है। मंधाना ने कहा ''मुझे लगता है कि हम एक ऐसे बदलाव के दौर में हैं जहां हम विश्व क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाना चाहते हैं। हम किसे हराते हैं, कहां हराते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम बस उन्हें लगातार हराने और शीर्ष पर बने रहने में सफल होना चाहते हैं।''ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और अंतिम टी20 मैच में मंधाना ने 82 रन रन बनाये जिससे भारतीय टीम को आसानी से जीत मिली। मंधाना ने कहा, ''मुझे एडिलेड शहर बहुत पसंद है। यहां खेलने से पहले भी मुझे यहां शहर पसंद था। यह बहुत शांत और सुंदर शहर है।।''

वरुण ने अर्शदीप का रिकार्ड तोड़ा : लगातार 18 पारियों में विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने दक्षिण अफ्रीक के खिलाफ मैच में एक विकेट लेते ही एक नया रिकार्ड बनाया है। वरुण अब लगाता 18 पारियों में विकेट लेने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। वरुण लगातार 1 पारियों में भारत के लिए विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इसके साथ ही तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को पीछे छोड़ा। अर्शदीप सिंह ने साल 2024-25 में लगाता 17 पारियों में विकेट लेने का रिकार्ड बनाया था। वहीं वरुण चक्रवर्ती ने 2025-26 के बीच अब तक कुल 18 पारियों में एक या उससे अधिक विकेट लिए हैं। इसी सूची में तीसरे नंबर पर पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा है। नेहरा ने साल 2016 में 13 पारियों में एक या उससे अधिक विकेट लिए थे।

भारतीय टीम की हार से गंभीर की लचर रणनीति पर फिर उठे सवाल

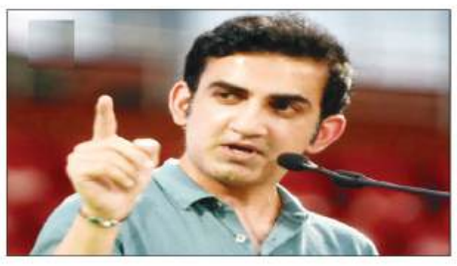

अहमदाबाद। टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर आठ के पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम की करारी हार के लिए खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के साथ ही कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर भी सवाल उठ रहे हैं। जानकारों का मानना है कि टीम के खराब प्रदर्शन के लिए गंभीर की लचर योजनाएं भी जिम्मेदार हैं।

मैच केवल मैदान पर नहीं खेला जाता बल्कि उससे कहीं ज्यादा दिमाग में खेला जाता है। टीम प्रबंधन ने यहां गलती कर दी। इसी कारण ग्रुप स्तर पर सभी मैच जीतने वाली टीम धीमी और काली मिट्टी के विकेट पर विफल रही। इस मैच में अंगुल के स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाज सहज नहीं दिखे। न तो भारतीय टीम प्रबंधन की योजनाओं में स्पष्टता दिखी और न वह उन्हें अमल में ला पायी। यहां तक की पारी की शुरुआत कौन करेगा। ये भी अंत तक तय नहीं था। गंभीर अपने सबसे बेहतरीन 11 खिलाड़ी उतारने की बजाय लगातार प्रयोग करते दिखे। वह भी ऐसे समय तब कि एक ही टीम उतारी जानी चाहिये। मैच में उपकप्तान अक्षर पटेल की जगह पर अंतिम ग्यारह में वाशिंगटन सुंदर को उतरा गया। सुंदर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में विफल रहे। टीम में चयनित खिलाड़ी को ही अंत तक पता नहीं होता है कि वह अंतिम ग्यारह में है कि नहीं। इससे उनकी तैयार भी प्रभावित होती है जबकि विश्वकप खेलते समय टीम पहले से ही तय कर ली जाती है और वही पूरे समय खेलती है।

एफआईएच प्रो लीग: स्पेन के खिलाफ आज जीत की पटरी पर लौटना चाहेगी टीम इंडिया, साख दांव पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले मैच में जुझारु प्रदर्शन करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार को यहां स्पेन के खिलाफ होने वाले मैच में वापसी करके एफआईएच प्रो लीग में अपने अभियान को पटरी पर लाने की कोशिश करेगी। नौ टीमों के इस टूर्नामेंट में अब तक भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। राउरकेला और होबार्ट में खेले गए दोनों चरणों में भारत को पांच हार का सामना करना पड़ा जबकि एक मैच उसने ड्रॉ खेला।

कोच क्रेग फुल्टन आलोचनाओं का सामना कर रहे

टीम के इस लचर प्रदर्शन के कारण कोच क्रेग फुल्टन पर दबाव बढ़ गया है जो लगातार आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह के व्यक्तिगत कारणों से होबार्ट चरण से हटने के बाद युवा मिडफील्डर हार्दिक सिंह को कप्तानी सौंपी गई। होबार्ट चरण में स्पेन से पहला मैच 0-2 से हारने के बाद भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया था लेकिन उसे पेनल्टी शूटआउट में 4-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम हालांकि इस मैच से वर्तमान टूर्नामेंट का पहला अंक हासिल करने

में सफल रही थी।

भारतीय टीम अब स्पेन के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। इन दोनों टीमों के बीच वर्षों से कड़ी प्रतिस्पर्धा रही है, जिसमें दोनों ने एक दूसरे को समान रूप से टक्कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत एक समय जीत की स्थिति में था। अमित रोहिदास और जुगराज सिंह के गोल की बदौलत भारत ने 2-0 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन मैच के अंत में गोल खाने की वही पुरानी समस्या फिर से सामने आ गई। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने जोरदार वापसी करते हुए पेनल्टी शूटआउट में मैच जीत लिया।

इससे पहले राउरकेला में खेले गए चारों मैचों में भारत की हार को देखते हुए इस टीम का अच्छा प्रदर्शन माना जा सकता है। राउरकेला में भारत को अर्जेंटीना से 0-8 की करारी शिकस्त भी मिली थी। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने भी शानदार खेल का प्रदर्शन किया। उनकी तेज दौड़ और रिवर्स-हिट ने ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर को चकमा दे दिया, हालांकि बैक-स्टिक के इस्तेमाल के कारण उनके इस गोल को अमान्य घोषित कर दिया गया। युवा आदित्य ललागे ने भी अपनी छाप छोड़ी। भारतीय टीम को अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए अब अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा क्योंकि नौ टीमों वाली एफआईएच प्रो लीग तालिका में वह छह मैचों में सिर्फ एक अंक के साथ आठवें स्थान पर है। भारत के पीछे केवल पाकिस्तान है जिसने अब तक अपने सभी आठ मैच हारे हैं और अभी तक अपना खाता नहीं खोला है। होबार्ट चरण में भारतीय टीम स्पेन के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम मैच खेलेगी।

इसके बाद जून में यूरोप में मुकाबले होंगे, जहां भारत नीदरलैंड, बेल्जियम और इंग्लैंड में खेलेगा। लेकिन उससे पहले भारत का तात्कालिक लक्ष्य अंक हासिल करना और तालिका में आगे बढ़ना होगा। बेल्जियम (आठ मैच, 22 अंक) तालिका में अभी सबसे आगे है। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया (सात मैच, 20 अंक) और अर्जेंटीना (आठ मैच, 17 अंक) का नंबर आता है। जापान में होने वाले एशियाई खेलों से पहले एफआईएच प्रो लीग में दमदार प्रदर्शन बेहद महत्वपूर्ण होगा। एशियाई खेल लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है।

किदांबी श्रीकांत जर्मन ओपन में भारतीय चुनौती की करेंगे अगुवाई

मुलहेम एन डेर रूर (जर्मनी)। दुनिया के पूर्व नंबर वन किदांबी श्रीकांत मंगलवार मुलहेम एन डेर रूर के वेस्टएनर्जी स्पोटहॉल में शुरू होने वाले जर्मन ओपन 202 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती अगुवाई करेंगे। पुरुषों की एकल बैडमिंटन रैंकि में 32वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत, इस साल की शुरुआत में इंडिया ओप और इंडोनेशिया मास्टर्स में दो क्वार्टर-फाइनल से बाहर होने के बाद जर्मन ओपन उतरेंगे। उन्हें आखिरी बार इस महीने की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया टी चैंपियनशिप में खेलते हुए देखा गया था, जहां उन्होंने भारत के लिए अपने दोनों एक रबर जीते थे। पुरुषों के एकल मुख्य ड्रॉ में किदांबी श्रीकांत के साथ उनके हमवत किरण जॉर्ज और थारुन मन्नेपल्ली भी होंगे। ओलंपियन और दुनिया के नंबर 5 खिलाड़ फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव पुरुष एकल में टॉप सीड हैं और पहले राउंड में किरण जॉर्ज भिड़ेंगे। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु की गैरमौजूदगी में दुनिया की नंब 40 तन्वी शर्मा महिला सिंगल्स में भारत की कमान संभालेंगी। तन्वी शर्मा, जो पिछ साल BWF वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप और यूएस ओपन में उप विजेता रही थीं, उनके साथ महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में तस्नीम मीर, मालविका बंसोड़, रक्षिता रामराज औ इशारानी बरुआ होंगी। महिला युगल के मुख्य ड्रॉ में भारत की अकेली जोड़ी अश्विन भट और शिखा गौतम हैं।

सूर्यकुमार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार पर निराश जताई, बोले अगले मैचों से वापसी करेंगे

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में मिली हार पर निशाना जताते हुए कहा कि उनकी टीम अगले मैच के साथ ही अच्छी वापसी करेगी। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसके आगे के सफर पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब भारतीय टीम को अपने बचे हुए दोनो ही सुपर-8 बैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। हार के बाद सूर्यकुमार ने प्रशंसकों को टूर्नामेंट में वापसी का भरोसा दिया।

मैच के बाद उन्होंने कहा, 'जब हमने मैच शुरू किया तब से ही हमे उसमें बने हुए थे। हमने शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की पर बीच के ओवरों में विरोधी टीम ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी स्थित सुधार ली। उसके बाद भी हमारे गेंदबाजों ने विरोधी टीम को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। उसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए हम अच्छी शुरुआत नहीं कर पाये। साथ ही कहा कि आप पावरप्ले में गेम नहीं जीत सकते पर अपनी गलतियों से हार सकते हैं और यही इस मैच में हुआ। हमने पावरप्ले में कई विकेट खोए और उसके बाद हम छोटी-छोटी साझेदारी भी नहीं बना पाए हालांकि ये सब सब कुछ खेल का हिस्सा होता है। हम इससे सबक लेते हुए अगले मैच में गलतियों से बचेंगे। हमारा लक्ष्य बचे हुए दोनो ही मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाना रहेगा।'

इस मैच मे दक्षिण अफ्रीका से मिले 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन ही बना पायी। भारत की ओर से शीर्ष क्रम असफल् रहा केवल शिवम दुबे ही 42 रन बना पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज 20 रनों से अधिक नहीं बना पाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की तरफ से डेविड मिलर और डेवाल्ड ब्रेविस ने 45 रन बनाये। इन दोनो के बीच 97 रनों की साझेदारी से दक्षिण् अफ्रीका एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। ने 20 रन पर तीन विकेट

सूर्यकुमार ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की अच्छी गेंदबाजी की सराहतना की। उन्होंने कहा,हर कोई जानता है कि इन दोनो की गेंदबाजी कितनी घातक रही है। दोनों ने आठ ओवर गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए और केवल 45 से 50 रन दिए। बुमराह ने 15 रन पर देकर तीन विकेट जबकि अर्शदीप सिंह ने 28 रन देकर दो विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन पहले ही ओवर में शून्य पर आउट हो गए। दूसरे ओवर में तिलक वर्मा भी पेवेलियन लौट गये। अभिषेक शर्मा इस मैच में खाता तो खोल पाए पर अधिक नहीं टिक पाये। इसके बाद बाकि बल्लेबाज भी एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये। इस मैच में जीत से दक्षिण अफ्रीका को 2 अंक मिले हैं जबकि भारतीय टीम को एक भी अंक नहीं मिला।

विश्वकप अंक तालिका में पाकिस्तान से भी पिछड़ी भारतीय टीम

मुम्बई। आईसीसी टी20 विश्वकप में ग्रुप स्तर पर धमाकेदार प्रदर्शन कर शीर्ष पर रह भारतीय टीम सुपर-आठ के पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों करारी हार के बाद अंक तालिका में पिछड़ती दिख रही है। इससे उसके सेमीफाइनल की उम्मीदें भ कम हो रही हैं। पहले सुपर-8 मैच के बाद भारतीय टीम पाकिस्तान से भी पीछे है न्यूजीलैंड से पहला सुपर-8 मुकाबला बारिश की वजह से रद् होने के बाद पाक को एक 1 अंक मिला है पर भारतीय टीम के पास एक भी अंक नहीं है। ऐसे में एक और हार से वह टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। अंतिम चार में जगह बनाने के लिए अब भारतीय टीम को अपने बाकी दो सुपर 8 मुकाबलों में जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी. भारतीय टीम अपना दूसरा सुपर 8 मुकाबला गुरुवार 26 फरवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलेगी. वहीं एक मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन में उतरेगी। अगर भारतीय टीम अपने शेष दो मैचों में से एक भी हार जाता है, तो उसका खिताबी सफर सुपर 8 स्टेज में ही समापत हो जाएगा, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद टीम इंडिया का नेट रन रेट काफी नीचे चला गया है।

जब चाहें फ्रेश लुक

शादी के मौकों पर हर लड़की चाहती है कि वह सबसे सुंदर दिखे मगर फंक्शन में इतनी भीड़-भाड़ होती है कि मेकअप मेल्ट हो ही जाता है। अगर आप चाहती हैं कि आपका मेकअप लंबे समय तक बरकरार रहे, तो मेकअप करते समय कुछ बातों का ध्यान रखें। इससे आपका मेकअप लंबे समय तक टिका तो रहेगा ही आप फ्रेश भी लगेंगी

फेस हो फ्रेश...

मेकअप आर्टिस्ट भारती तनेजा बताती हैं कि थोड़ी उमस में ही चेहरे पर पसीना आ जाता है और मेकअप खराब हो जाता है। जब भी चेहरे पर फाउंडेशन लगाएं, तो ठंडी जगह का चुनाव करें। इससे मेकअप करते समय पसीना नहीं आएगा और फाउंडेशन सही लगेगा। फाउंडेशन लिक्विड या क्रीमयुक्त ही चुनें। आप स्टिक फाउंडेशन भी ट्राई कर सकती हैं, क्योंकि यह वॉटरप्रूफ होता है। फेस पर जहां डार्क सर्कल, मुहांसे व फुंसी है, वहां पहले कंसीलर लगा लें। उसके बाद फाउंडेशन लगाएं।

चेहरे पर डस्ट कॉम्पैक्ट नाक, चिन और जॉ लाइन्स के आसपास लगाएं। कॉम्पैक्ट लगाते समय स्किन स्ट्रेच कर लें। इससे कॉम्पैक्ट सभी जगह बराबर लगेगा। चेहरे पर पाउडर वाला ब्लशर लगाएं। क्रीमयुक्त ब्लशर लगाने से फेस पर पसीना जल्दी आ जाता है। फेस का मेकअप करने के बाद ब्लॉटिंग पेपर का इस्तेमाल करना न भूलें। लेकिन इसे चेहरे पर प्रेशर से न दबाएं।

कजरारी आंखें...

पार्टी व फंक्शन में लोगों की भीड़-भाड़ होती है और ऐसे में पसीना आना नैचुरल है। पसीने से आंखों का मेकअप सबसे पहले खराब होता है। आंखों का मेकअप करते समय आईलाइनर न लगाएं, क्योंकि थोड़ा-सा पसीना आने पर ही यह फैल जाता है। आंखों के ऊपर क्रीम बेस आईशैडो लगाएं। पलकों पर मसकारा न लगाएं, बल्कि इसकी जगह लिप बाम या कैस्टर ऑयल का इस्तेमाल करें। इससे आपकी पलकें हल्की रोशनी में चमकेंगी। काजल लगाने से पहले आंखों के नीचे कॉम्पैक्ट पाउडर लगा लें, फिर काजल लगाएं। इससे काजल फैलेगा नहीं।

लिपस्टिक टिकी रहे...

होंठों पर लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी रहे, इसके लिए पहले होंठों पर हल्का-सा फाउंडेशन लगा लें। उसके बाद लिपस्टिक का एक कोट लगाएं। मेकअप आर्टिस्ट भारती कहती हैं कि होंठों पर सबसे पहले कंसीलर लगाना चाहिए और उसके बाद लिप लाइन बनाए। लिपस्टिक लगाने के बाद होंठों पर शिमर लगाएं। लिपस्टिक लगाते समय ध्यान रखें कि लिपस्टिक ब्रश से लगाएं, ताकि यह सब जगह बराबर लगे।

खूबसूरत बॉडी ...

बॉडी के अंतर्गत नेक और कमर का मेकअप आता है। यह आपकी बॉडी का वह हिस्सा है, जहां सबसे ज्यादा पसीना आता है। इसलिए फाउंडेशन सोच-समझकर चुनें। बाजार में ऐसे फाउंडेशन भी आ रहे हैं, जो पसीने को कुछ समय तक रोक देते हैं। नेक और कमर पर हल्का फाउंडेशन लगाएं, क्योंकि स्किन नैचुरल दिखनी चाहिए। फाउंडेशन हल्के हाथों से लगाएं, ज्यादा रगड़ने पर स्किन पर पैच बन जाते हैं। आप चाहती हैं कि आपकी स्किन ब्राइट लगे, तो फाउंडेशन या क्रीम में शिमर मिला लें। इससे मेकअप भी लंबे समय तक ड्राई रहेगा। आप चाहें, तो फाउंडेशन लगाने के बाद अपनी बॉडी पर हेयर स्प्रे कर सकती हैं। इससे स्किन लंबे समय तक ड्राई रहती है। लेकिन हेयर स्प्रे से बॉडी में खिंचाव आ जाता है, इसलिए बॉडी पर हेयर स्प्रे की जगह टॉनिक स्प्रे का प्रयोग करें।

सहेलियोंवाला पुलाव

सामग्री: एक कप बासमती चावल (आधे घंटे तक भिगोया हुआ), डेढ़ कप मिक्स वेजीटेबल्स (गाजर, कॉर्न, फूलगोभी, हरी मटर, बीन्स), 2 टेबलस्पून घी, 1/4 टीस्पून हल्दी पाउडर, 1 टेबलस्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टीस्पून जीरा, 2 तेजपत्ता, 4 लौंग, 4 कालीमिर्च, 3 कप पानी, 1 नींबू का रस और 1 टेबलस्पून नमक।

विधि: कड़ाही में घी गरम करके जीरा, तेजपत्ता, लौंग और कालीमिर्च डालें। अब इसमें मिक्स वेजीटेबल्स, नमक, हल्दी और लाल मिर्च पाउडर डालकर भूनें। फिर 3 कप पानी डालें। 5 मिनट बाद चावल मिलाएं और धीमी आंच पर पानी सूखने तक पकने दें। फिर इसमें नींबू का रस मिलाकर गरमागरम सर्व करें।

खास किचिन टिप्स आपके लिए

- आलू की तरी वाली सब्जी को ज्यादा लज्जतदार बनाने के लिए उसमें एक टी-स्पून खसखस का पेस्ट डालें। इससे आपकी साधारण सब्जी का स्वाद बढ़ जाएगा।
- कच्चे केले की फ्राई / सूखी सब्जी बनाते समय यदि केलों को काटकर उसमें थोड़ी सी हल्दी और नमक मिलाकर कुछ देर रख दें तो सब्जी जल्दी पकेगी।
- मक्के की रोटी बनाते समय आटे में थोड़ा सा नमक मिलाने से रोटी बहुत स्वादिष्ट बनेगी।
- कटहल की सब्जी बनाते समय उसमें आधा टी-स्पून चावल के आटे का पेस्ट मिलाने से सब्जी का स्वाद बढ़ जाएगा।
- आलू की टिक्की बनाते समय उसमें ब्रेड का चूरा मिलाने से टिक्की बिखरती नहीं है।
- खिले-खिले चावल बनाने के लिए जब चावल पकने पर आ जायें तो उसमें कुछ बूंदे नींबू का रस मिलायें।
- बैंगन को भुनने के बाद तुरंत ठंडे पानी में रखने से उसका छिलका आसानी से उतर जाएगा।

ऑफिस ड्रेस एटिकेट्स

नए फैशन, नए हेयर कट, नए फैब्रिक, नए कलर्स की बातें चाहे जितनी हो लेकिन कुछ चीजें कभी नहीं बदलती। जैसे ऑफिस जाने के लिए पहने जाने वाले ड्रेस। फैशन का इन पर असर दिखाई नहीं देता। ऑफिस में घुसते ही चूड़ियों की खनखनाहट या चमचमाती शर्ट खराब लगती है। इस तरह की ड्रेसिंग से परहेज करना चाहिए। ऑफिशियल लुक के लिए सिंपल बेस्ट होता है पर स्मार्ट लगना भी जरूरी है। खुद को ऑफिशियल लुक देने से जुड़ी खास बातों को जानें-

ऑफिस वियर में महिलाओं के पास कई ऑप्शन होते हैं। पारंपरिक साड़ी या सलवार-कुर्ता और स्कर्ट या पैंट-शर्ट, दोनों ही बढ़िया लुक देते हैं। कंफर्ट के अनुसार किसी को भी ऑधफिशियल लुक के तौर पर आजमा सकती हैं।

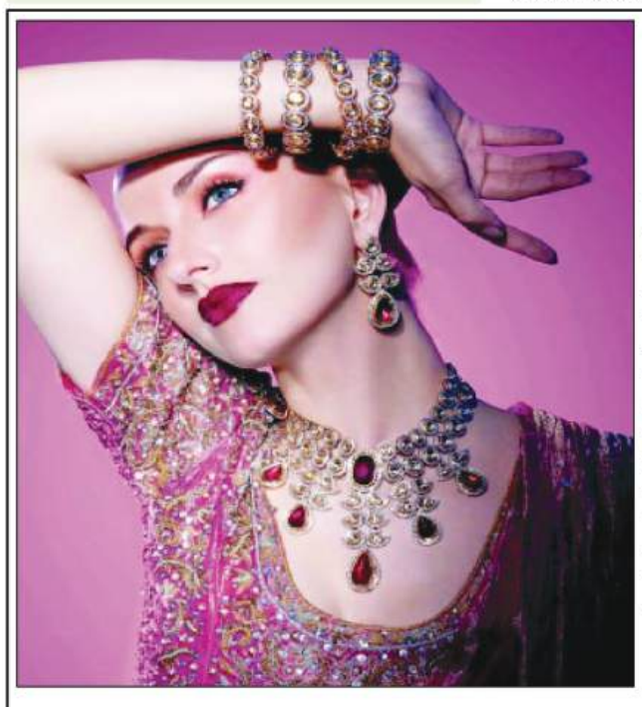

आधुनिक और पारंपरिक दोनों ही स्टाइलों में सिंपल और सोबर परिधान पसंद करना चाहिए। साड़ियां या सलवार-कुर्ता सूती, सिल्क या खादी के लें, ये बेहतरीन लुक देते हैं। आधुनिक स्कर्ट या पैंट-शर्ट किसी अच्छे ब्रांड के ही लें।

साड़ी या सलवार-सूट ज्यादा जरीदार, गोटेदार नहीं होने चाहिए। इनके साथ 2/4 पतले बैंग्लस या 1 मोटा कड़ा पहनें। बाल खुले हों तो बेहतर पर बिखरे या बेतरतीब न हों। इन्हें सेट करके रखें। जूती या सैंडिल में हाई हील्स या फ्लैट, दोनों सही लगते हैं। मेटेलिक घड़ी डीसेंट लुक देती है।

स्कर्ट या पैंट के साथ टी-शर्ट से परहेज करें। शर्ट ऑफिस यूज के लिए बेहतरीन लगते हैं। प्लेन हो या धारीदार, दोनों चल सकते हैं पर फूल-पत्तियों वाला डिजाइन न पहनें, न ही चमकीले रंग चुनें। फुटवियर में बंद जूते या सैंडिल बेहतर लगते हैं। हाईहील्स, लेदर स्ट्रैप की बड़े डायल की घड़ी, बेल्ट और चमड़े का बैग प्रभावशाली लुक देता है।

ज्वेलरी का जलवा

इन दिनों वजन में हल्के और ट्रेंडी ज्वेलरी फैशन में इन है। एंटिक लुकिंग ज्वेलरी की बात ही निराली है, लोगों की राय के विपरीत इस तरह की ज्वेलरी साड़ी के साथ खूब जमती है और पहनने वाले को स्टाइलिश लुक देती है, कहते हैं जेडीटीआई के चेयरपर्सन बीके नरूला। नरूला का कहना है कि इस समय मौके के अनुरूप ज्वेलरी पहनने का चलन है। गोल्ड ज्वेलरी महंगी होने के कारण मिडिल क्लास फैमिली की पहुंच से दूर है और फैशन में भी नहीं है। इसलिए बेहतर होगा कि बीडेड, सिल्वर, स्टोन स्टडेड, पर्ल ज्वेलरी पहनी जाए। अब तो सिल्वर के साथ भी डायमंड ज्वेलरी का चलन जोरों पर है। इस समय ट्रेंड में है स्वरोस्की क्रिएशन। बॉलीवुड की एकमात्र ज्वेलरी डिजाइनर पुनीता त्रिखा की हैंडक्राफ्टेड ज्वेलरी खरीदी जा सकती है। यह थोड़ी महंगी है, इसलिए चाहें तो केवल ईयररिंग्स ही खरीद लें। वैसे भी बड़ी ईयररिंग पहनने के बाद कुछ और पहनने की जरूरत नहीं पड़ती।

ज्वेलरी पहनते समय इस चीज पर ध्यान देना जरूरी है कि यदि आपने बड़ी ईयररिंग पहनी है तो गले में कुछ न पहनें या कोई पतली सी चेन पहन लें। इसी तरह यदि आपने हेवी नेकपीस पहना है तो कान में कुछ न पहनें या छोटे टॉप्स पहनें। सिल्वर ईयरिंग्स के अलावा प्लास्टिक की बड्स, ग्लास बीड्स, रिनस्टोन, फेदर और वुड की ईयररिंग्स पहन सकती हैं। मेटल हुप्स, बीड्स, पर्ल ड्रॉप, बीड्स ड्रॉप जैसे शेप में भी ईयररिंग्स उपलब्ध है। हैंगिग ईयररिंग्स की बात ही अलग है। स्टासलिश डैंजलर्स यदि आप पहन रही हैं और इसे दिखाना चाहती हैं तो पोनीटेल या जूड़ा बना लीजिए। कुछ इस तरह कि आपके बाल मेस दिखें। यदि आपकी इच्छा बालों को खुला छोड़ने की है तो बहुत बड़े ईयररिंग्स पहनने से बचिए। स्टड्स छोटे बाल वालों के लिए बेहतरीन विकल्प हैं।

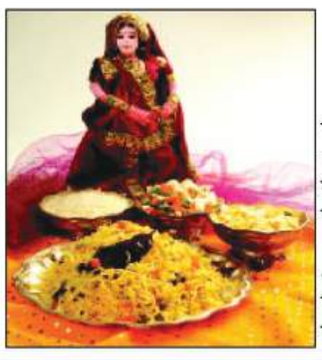

नेकपीस और ईयररिंग के अलावा इस समय कंगन और अंगूठियां खूब चलन में हैं। कंगन के तौर पर पतले डिजाइन चल रहे हैं। लेकिन मोटा कंगन भी पहना जा सकता है। कंगन एक हाथ में ही अच्छा लगेगा, दूसरे हाथ में साड़ी से मैच करती सिल्वर या गोल्ड फिनिश वाली घड़ी पहनिए। चाहें तो खूब सारी चूड़ियां पहन सकती हैं। एक रंग की ही पहनें या कई रंगों को मिक्स करके। रही बात अंगूठियों की तो पतली व बारीक डिजाइन की बजाय बड़ी और बोल्ड रिंग्स पसंद की जा रही हैं। स्टोन स्टडेड रिंग तो साड़ी के साथ जंचती भी हैं। साड़ी के कलर से मैच करता फिरोजी, टर्क्वाइज, बेरूज, पिंक जैसे रंग-बिरंगे स्टोन स्टडेड रिंग्स पहन सकती हैं। रोज गोल्ड और रेडियम पॉलिश वाली रिंग्स डिफरेंट दिखती हैं। यूं तो आप कभी पाजेब नहीं पहनतीं लेकिन इस मौके पर स्टोन और क्रिस्टल के पाजेब पहनें। चाहें तो ट्रेंडी एंकलेट भी पहन सकती हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु (ये यो भा भी भू): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:

रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3810

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो -3809 का हल

लॉफिंग ज़ोन

सीदा-साधा चमन लड़कियों से बहुत दूर भागता था। वह नए साल की पार्टी मनाने के लिए घर से निकला ही था कि सामने चौराहे पर एक सुंदर, सजी-धजी युवती पर उसकी निगाह पड़ी।

युवती ने भी उसे देखा और अपने हाथ के गुब्बारे उसकी ओर बढ़ाकर शरारत भरे अदाज में कहा- 'डार्लिंग...! अब चले... पार्टी मनाने।'

चमन लड़खड़ाकर बोला- नहीं! मैंने आज से लड़कियों से दूरी बनाने का संकल्प लिया है।

□ □ □

रमन- 'यार, कल रात घर पहुँचने पर काफी देर तक दरवाजा खटखटाता रहा, लेकिन किसी ने दरवाजा ही नहीं खोला। आखिर मुझे रात बाहर ही गुजारनी पड़ी।'

चमन- 'फिर सुबह उठकर उन्हें डाँटा की नहीं?'

रमन- 'नहीं यार! कैसे डाँटता...। आँखें खुलने पर देखा तो पता चला कि मैं घर का नहीं बीयर बार का दरवाजा खटखटा रहा था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3810

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3809

सूडोकु -3810

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3809 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 3810

बाएँ से दाएँ

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरुम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपूर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -3809 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी